डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 16 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 18 मई से 24 मई 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

डोटासरा का नीट पेपर लीक मामले में भाजपा पर बड़ा हमला

-युवाओं का भविष्य बर्बाद करने का लगाया गंभीर आरोप

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भाजपा सरकार, एनटीए और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड़ हुआ है।

डोटासरा बोले – "भाजपा ने युवाओं के सपने तोड़े"

प्रेस कॉन्फ्रेंस में डोटासरा ने कहा कि लाखों छात्रों ने मेहनत से परीक्षा दी, लेकिन पेपर लीक माफिया ने पूरा सिस्टम खराब कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों के नाम लगातार सामने आ रहे हैं, फिर भी सरकार कार्रवाई से बच रही है। डोटासरा ने कहा कि पेपर लीक केवल एक अपराध नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य पर हमला है।

टीकाराम जूली ने मांगा इस्तीफा

टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार और एनटीए को छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े सपने दिखाकर युवाओं को धोखा दिया गया है। जूली ने साफ कहा कि जिन अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की लापरवाही से पेपर लीक हुआ, उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बड़े लोगों को बचाने में लगी हुई है जबकि छोटे लोगों पर कार्रवाई दिखाई जा रही है।

प्रशासन पर लगाए गंभीर सवाल

टीकाराम जूली ने कहा कि प्रशासन के पास पहले से जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि किस अधिकारी ने रिपोर्ट दर्ज नहीं होने दी और आखिर किसे बचाने की कोशिश की जा रही थी। जूली ने कहा कि अगर सरकार निष्पक्ष है तो पूरे नेटवर्क का खुलासा करे और बड़े नाम सामने लाए।

मंत्री के बयान पर कांग्रेस का पलटवार

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेताओं ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बयान पर भी हमला बोला। डोटासरा ने कहा कि आरोपियों की भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरें और होर्डिंग सामने आए हैं, लेकिन सरकार जवाब देने से बच रही है। कांग्रेस ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

राजस्थान भर में विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पूरे राजस्थान में जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन किए जा रहे हैं। पार्टी ने सरकार से जिम्मेदारी तय करने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग की है।

डोटासरा अपना कार्यकाल भूल गए, कांग्रेस राज में हुए पेपर लीक युवाओं के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात : राठौड़

-कांग्रेस युवाओं के हितों पर राजनीति करने के बजाय अपने कार्यकाल के काले अध्यायों का जवाब दे

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को भाजपा सरकार पर सवाल उठाने से पहले अपने कार्यकाल को याद करना चाहिए, जब राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था का पूरी तरह मजाक बना दिया गया था। कांग्रेस शासन में लगातार पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया और सरकार मूकदर्शक बनी रही। राठौड़ ने कहा कि जिनके स्वयं के घर कांच के होते हैं, वे दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते। कांग्रेस शासन में 17 से अधिक पेपर लीक की घटनाएं हुईं, लेकिन तत्कालीन सरकार ने न तो निष्पक्ष जांच करवाई और न ही दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि रीट-2021 भर्ती परीक्षा में शिक्षा संकुल से पेपर चोरी होने जैसी गंभीर घटना पूरे देश में चर्चा का विषय बनी थी। कांग्रेस सरकार ने स्वयं माना कि पेपर लीक हुआ, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से केवल एक लेवल की परीक्षा रद्द की गई, जबकि दूसरे लेवल का परिणाम जारी कर नियुक्तियां दे दी गईं। यह युवाओं के प्रति कांग्रेस सरकार की दोहरी नीति और असंवेदनशीलता का सबसे बड़ा उदाहरण था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि एसआई भर्ती परीक्षा भी कांग्रेस शासनकाल में हुई थी, लेकिन उस समय पेपर लीक तक स्वीकार नहीं किया गया और परीक्षार्थियों को नियुक्तियां तक दे दी गईं। जबकि वर्तमान में एनटीए ने परीक्षा में अनियमितता की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए परीक्षा रद्द कर दी और नई परीक्षा तिथि भी घोषित कर दी। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। हालिया मामला केरल से जुड़ा था, जिसके बाद इसे देशभर में वायरल किया गया। मामले की सीबीआई जांच चल रही है और केंद्र सरकार ने तुरंत कार्रवाई की है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान आरएएस भर्ती प्रक्रिया में भी गंभीर सवाल खड़े हुए थे। डोटासरा के परिजनों को साक्षात्कार में अन्य योग्य अभ्यर्थियों से अधिक अंक दिए जाने के मामले पर पूरे प्रदेश में चर्चा हुई थी। कांग्रेस सरकार ने उस समय पारदर्शिता और निष्पक्षता की बात नहीं की, लेकिन आज युवाओं के नाम पर राजनीति करने का प्रयास कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने कांग्रेस द्वारा जेपीसी जांच की मांग पर कहा कि मोदी सरकार में जांच एजेंसियां स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कार्य करती हैं। जब सीबीआई जांच कर रही है तो जेपीसी की आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस के शासनकाल में जांच एजेंसियों पर दबाव बनाया जाता था, लेकिन आज एजेंसियां स्वतंत्र होकर काम कर रही हैं।

शेष पृष्ठ 2 पर....

रजिया खान का आरएएस में चयन, इमरान कुरैशी ने दी मुबारकबाद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिव एवं राजस्थान अल्पसंख्यक कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष युवा इमरान कुरैशी ने जयपुर में श्याम नगर स्थित वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. मकबूल खान के निवास पर पहुंचकर उनकी सुपुत्री रजिया खान को राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) में चयनित होने पर हार्दिक मुबारकबाद एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर इमरान कुरैशी ने कहा कि रजिया खान की यह उपलब्धि उनकी कठिन मेहनत, अनुशासन, लगन और परिवार के मजबूत सहयोग का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करना निरंतर संघर्ष, धैर्य और समर्पण की मांग करता है। रजिया ने अपनी प्रतिभा एवं परिश्रम के दम पर यह मुकाम हासिल कर समाज के युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि रजिया की सफलता केवल उनके परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। आज के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेकर शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। इमरान कुरैशी ने डॉ. मकबूल खान एवं उनके परिवार को भी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि परिवार का सकारात्मक वातावरण और निरंतर प्रोत्साहन किसी भी विद्यार्थी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भी रजिया खान को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल, स्वर्णिम एवं सफल भविष्य की कामना की। रजिया की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है।

नीट पेपर लीक मामले में कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने

-लेकिन सरकार और विपक्षी राजनीतिक दल यह कोई नहीं बता रहा है कि भविष्य में परीक्षाओं के पेपर लीक होने से कैसे बचाया जाए जिससे देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य बचाया जाए।

मुन्ना खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सरकार चाहे केंद्र की हो या राज्यों की युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर दिखाई नहीं दे रही है। देश में नीट, रीट सहित हजारों परीक्षा में पेपर लीक एवं धांधली के आरोप लगते रहे हैं। फिर भी प्रतियोगी एवं अन्य परीक्षाऐं साफ सुधरी नहीं करवायी जा रही है। परीक्षाओं में धांधली का मामला दशकों से चल रहा है। परीक्षाओं में धांधली के कारण लाखों इंटेलीजेंट और मेहनतकश लोगों का कैरियर बर्बाद हो चुका है। पढ़ने में कमजोर और कामचोर अभ्यर्थी विभिन्न परीक्षाओं के पेपर खरीद कर सरकारी नौकरी कर रहे हैं और जिंदगी के मजे ले रहे हैं। राजस्थान में एसआई पुलिस भर्ती में हुई धांधली ने हजारों युवाओं के करियर को बर्बाद कर दिया। ज्यादातर युवा अपनी जिंदगी का आधा भाग सरकारी नौकरी की तैयारी में गुजार देते हैं वर्तमान सरकारें और विपक्षी पार्टियों के नेता जो पहले सरकार में थे सिर्फ युवाओं की झूठी सहानुभूति के लिए एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

वर्तमान सरकारें और विपक्षी राजनीतिक दलों की कार्यशैली:-

देश के करीब-करीब सभी राज्यों में परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के मामले उत्तर भारत और मध्य भारत में ज्यादा दिखाई दिए। जो विपक्षी नेता वर्तमान में सरकार में नहीं है, जब सरकारों में थे, तो परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक जैसे कृत्य को क्यों नहीं रोक पाएं। वर्तमान सरकार के नेता जो अब विधायक और मंत्री हैं, पहले विपक्ष में रहते आरोप लगाते थे कि सरकार में बैठे मंत्री, विधायक और अधिकारी परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक करवा कर अपने चहेतो को नौकरी दिलवा रहे हैं और पैसा कमा रहे हैं। लेकिन वहीं विपक्षी नेता अब जबकि सरकारों में उच्चपदों पर बैठे हैं तो परीक्षाओं की धांधली और पेपर लीक क्यों नहीं रोक पा रहे हैं। क्योंकि पहले जो सरकारों में नेता बैठे थे और वर्तमान सरकारों में जो नेता, अधिकारी बैठे हैं सब वही कर रहे हैं, जो हमेशा होता रहा है। अपनों को फायदा पहुंचाना और परीक्षा पेपर लीक करके कमाई करना आदि। नेता चाहे विपक्षी हो या सरकार में हो सब जनता को दिखाने के लिए एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। हां यह जरूर है कि सब नेता इस कृत्य में शामिल नहीं है। लेकिन जो है देश के युवाओं और देश के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

सरकार और विपक्ष यह कोई नहीं बता रहा कि परीक्षाओं में धांधली रुकेगी कैसे?:-

नीट परीक्षा 2026 को लेकर राजनीति में घमासान मचा हुआ है। वर्तमान सरकार अपने ऊपर परीक्षाओं की धांधली के लगे आरोपों का जवाब विपक्षी नेताओं पर यह आरोप लगाकर दे रही है कि जब उनकी सरकारें थी तब भी परीक्षाओं में धांधली हुई थी। सरकार जनता और युवाओं को यह आश्वासन नहीं दे रही है कि भविष्य में किसी भी परीक्षा में किसी भी प्रकार की धांधली नहीं होगी और देश के किसी भी युवा का भविष्य खराब नहीं होगा।

लगता यही है कि पहले की सरकारों में परीक्षाओं में हुई धांधली और पेपर लीक मामले की जांच करवा दी जाती थी। वर्तमान सरकार भी यही कर रही है। सरकारें जांचे ऐसी करवाती है जिससे वास्तविक आरोपी साफ बच जाते हैं और निर्दोष लोगों को सजा मिल जाती है। यही कारण है की परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक गतिविधि लगातार उन लोगों द्वारा की जाती है जो पहले भी करते रहे हैं लेकिन पकड़ में आने से बच जाते हैं। जबकि सबसे पहले सरकार और विपक्ष को मिलकर परीक्षाओं में धांधली करने वालों और पेपर लीक करने वालों के खिलाफ ऐसा सख्त कानून बनना चाहिए जिससे सबको ऐसी नसीहत मिले जिससे आरोपी और आरोप करने वाला हजार बार सोचें।

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
Real estate | Facilities & Hospitality | Construction Services

For Booking Commercially Approved Loanable Shops Size 11x24 Moti Dungari Road, Opp. Shankar Namkeen Bhandar, Jaipur

"One Prime Location, Endless Business Growth! Commercially approved **11x24 shops** on Moti Dungri Road — the ultimate spot for your Medical Store, Clinic, Kirana, Grocery, Garments, Crockery, or Jewellery showroom with guaranteed high footfall." ₹ 1.25Cr*

www.greatrealityplus.com greatplusfm03@gmail.com
GreatRealityPlus
+91 8386 94 70 05

METRO STUDIOS
MAYANK TRADE CENTRE

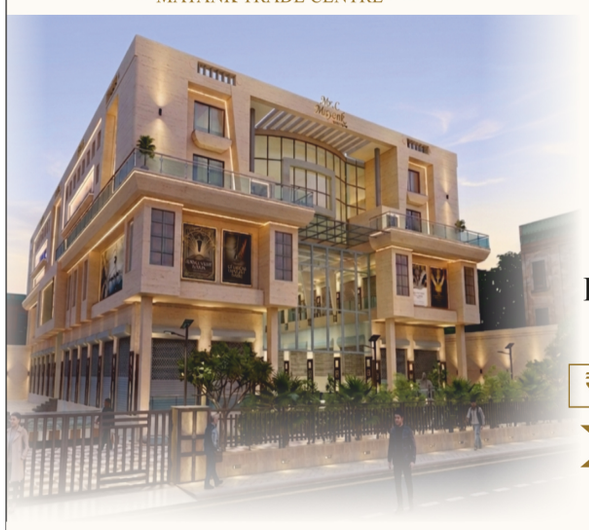

INVEST IN
A LANDMARK
EARN ASSURED

ASSURED MONTHLY RENTAL INCOME

ESSENTIALS
STUDIO SIZE
UP TO 450 SQ.FT.
₹20,000/MONTH*

SUITES
STUDIO SIZE
UP TO 475 SQ.FT.
₹22,500/MONTH*

ROYALE
PREMIUM LARGE STUDIOS
MAXIMUM SIZE CATEGORY
₹25,000/MONTH*

RENTAL STARTS IMMEDIATELY AFTER 100% PAYMENT

15% RENTAL APPRECIATION EVERY 3 YEARS
LEASE OPTIONS 5/10/15 YEARS
LOCK-IN PERIOD 3 YEARS
2 MONTHS (1+1) ADVANCE SECURITY DEPOSIT
MAINTENANCE CHARGES PAID BY LEASING COMPANY
OWNER PAYS ONLY GOVERNMENT TAXES (UD & APPLICABLE)

Management Partner
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.

SINDHI CAMP, JAIPUR
THE NEXT LANDMARK OF JAIPUR

INVEST TODAY. PROFIT TOMORROW
+91- 8386947005, 9694030305

रॉयल पत्रिका में प्रकाशित खबर का असर.....

अंसारी मौहल्ले में गलता रोड़ पर 3 घण्टे में पेयजल आपूर्ति सुचारू

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर शहर के अंसारी मोहल्ला, गलता रोड क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से पूरी तरह ठप पड़ी पेयजल सप्लाई आखिरकार रॉयल पत्रिका के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चलाई गई खबर के असर से बहाल हो गई। जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को खबर प्रकाशित होने के महज तीन घंटे के भीतर नलों से पानी मिलने लगा, जिससे आमजन ने राहत की सांस ली। गौरतलब है कि अंसारी मोहल्ला क्षेत्र में बीते तीन दिनों से पानी की आपूर्ति बंद होने के कारण लोगों को भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। हालात इतने गंभीर हो गए थे कि स्थानीय लोगों ने शनिवार दोपहर कड़ी धूप में बोरवेल स्थल पर एकत्र होकर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। पंप संचालक रईस अंसारी के अनुसार

तीन दिन से अंसारी मौहल्ले में पेयजल सप्लाई ठप
प्रशासन के दावों की खुली पोल, आधी रात तक पानी को तरसते लोग

गलता रोड स्थित ट्यूबवेल के पास खराब पड़ा पानी का वाल इस समस्या का प्रमुख कारण था। वाल सही करने के लिए खोदा गया गड्ढा तीन दिनों से खुला पड़ा था, जिससे गलता मंदिर, महाबली हनुमान मंदिर और घाटीला बालाजी जाने वाले श्रद्धालुओं का मार्ग अवरुद्ध हो गया था और दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। लोगों का कहना था कि जिम्मेदार अधिकारियों को बार-बार अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही थी। परन्तु रॉयल पत्रिका के माध्यम से जैसे ही इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाया गया, जलदाय विभाग हरकत में आया और मात्र तीन घंटे के भीतर तकनीकी खामियों को दूर कर पेयजल सप्लाई सुचारू कर दी गई। इस घटना से यह साबित होता है कि जनसमस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने पर प्रशासन को त्वरित कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने भी पेयजल समस्या का त्वरित समाधान होने पर संतोष जताया।

करीरी में पांच कुण्डीय शनि महायज्ञ, 121 महिलाओं की कलश यात्रा निकली

-शनि जन्मोत्सव एवं शिखर स्थापना महोत्सव में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम करीरी स्थित प्राचीन श्री शनिदेव मंदिर में शनिवार को शनि जन्मोत्सव एवं शिखर स्थापना महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव के तहत पांच कुण्डीय शनि महायज्ञ आयोजित किया गया, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 51 हजार आहुतियां अर्पित कर विश्व शांति, उत्तम वर्षा और जनकल्याण की कामना की गई। महोत्सव से पूर्व 121 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली। यात्रा श्री नृसिंह मंदिर से रवाना होकर गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए श्री शनिदेव मंदिर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापित किए गए। जयकारों और बैंड-बाजों के साथ निकली यात्रा से पूरा गांव भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम बड़ पीपली

बालाजी धाम, झोटवाड़ा के महंत परमेंद्रनाथ जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित हुआ। यज्ञाचार्य पंडित नरेंद्र शर्मा के निर्देशन में यजमान दंपत्तियों ने हवन में आहुतियां दीं। महंत परमेंद्रनाथ जी महाराज ने कहा कि शनिदेव न्याय और कर्मफल के देवता हैं तथा सच्ची श्रद्धा और सत्कर्म से उनकी कृपा प्राप्त होती है। इस अवसर पर शनिदेव महाराज का विशेष अभिषेक एवं आकर्षक श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को फूल-मालाओं, ध्वज-पताकाओं और रोशनी से सजाया गया। भजन-कीर्तन और भंडारा प्रसादी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में आरएएस अधिकारी सिमरन शेखावत, सीआई रामसिंह नाथावत, संग्राम सिंह शेखावत, मनोज कुमार मीणा, चंदन सिंह, नवदुर्गेंद्र सिंह, मोहन पटवारी, महिपाल सिंह दिवराला (चिंटू बना), तेज सिंह लिसाडिया, रामजीलाल पारीक, जितेंद्र सिंह और संपत सिंह सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ईमान और ईमानदारी की मिसाल बना चौमूं शहर

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । चौमूं शहर में पिछले 50, सालों से भवर सिंग राठौड़ की दुकान इशाक लुहार ने किराए पर ली थी। लेकिन 1980 में कुछ कारणों से दुकानदार और मालिक के बीच कोई विवाद हो गया जिसको लेकर दोनों पक्ष कोर्ट पहुंच गए । लेकिन फिर इशाक लुहार के मन में एक नेक ख्याल आया और उसने बगैर कोई मुआवजा लिये दुकान को खाली करने का विचार कर लिया। इनके इस फ़ैसले की चौमूं शहर में बड़ी चर्चा हो रही है । लोग बोल रहे हैं कि मुस्लिम का ईमान कितना मजबूत है कि कोर्ट में मामला होने के बाद भी अपनी इच्छा से दुकान खाली कर दी और ये साबित कर दिया कि मुसलमान कभी भी किसी की अमानत में खयानत नहीं करता है, इस्लाम इसकी इजाजत नहीं देता है ।

ठठेरा कुंड पुराने शहर में पेयजल सप्लाई ठप,सीवरेज के गंदे पानी से जीना हुआ दुभर, प्रशासन के दावों की खुली पोल

-वार्ड 33 व 34 के ठठेरा कुंड इलाक़े से बढ़ी समस्याओं को लेकर लोगों ने जताई नाराजगी

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर के पुराने शहर में इन दिनों समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। मूलभूत सुविधाओं के लिए लोग

जूझ रहे। ना तो कोई विभागीय अधिकारी ना ही कोई स्थानीय जनप्रतिनिधि कोई भी समस्या को हल नहीं कर पा रहे हैं। वार्ड 33 व 34 दोनो वार्डों के ठठेरा कुंड मोहल्ले में पानी की सप्लाई पूरी तरह बाधित पड़ी हुई, लोगों को कई हफ्तों से नलों से जल नहीं मिल पा रहा है ओर अगर किसी तरह पानी आता है तो गन्दा आता है।

सीवरेज की समस्या

सीवरेज की लाइन टूटी हुई है, चैंबरों में बदबूदार पानी उबाल मार रहा है। गंदे पानी की बदबू से राहगीर व स्थानीय लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। जिससे गम्भीर बीमारी की आशंका बनी हुई, गंदे पानी की शिकायत कई बार कर चुके है कोई निवारण नहीं होता है।

लो वोल्टेज की समस्या

बिजली वोल्टेज डाउन की समस्या लगातार बनी हुई है। जिससे कि बिजली उपकरण बंद करने पड़ते हैं अन्यथा उपकरण खराब (फूकने) के डर से कोई सुध लेना वाला नहीं है। जलदाय विभाग, बिजली ओर रूडीप तीनों विभाग ओर दो वार्ड की बड़ी समस्या का समाधान करने में असफल दिखाई दे रहे है। अगर इसको समय पर ठीक नहीं करा गया तो बढ़ा नुकसान आमजन का हो सकता है। इस संबंध में सैयद जरार अहमद,प्रिंसिपल सैयद जुबेर अहमद, पप्पू सरदार, चमेली, लुकमान, शरीफ, शाहबुद्दीन, मुन्ना, अजय, गोटिया ठठेरा, गोपाल, मुबीन बानो, मंजीत कौर अन्य स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जैसे मिले नहीं

अंदाज तेरा तुझ से भी ज़्यादा हसीन है
मामूली हो ये सोचने वाला कमीन है
हमसाया समझ कर कभी देखा नहीं तुझे
इफ़्तार की दावत तेरी क्या बेहतरीन है
यूं रोज़ मिलो ऐसे जैसे मिले नहीं
और ना मिलो तो भी लगो के अमीन हो
सिदरा के हर्फ़े आम में मिठास भरी है
कहते हैं बड़े नाज़ से तुम्हीं ज़हीन हो
मर जाएंगे मिट जाएंगे कैसे जिएंगे हम
जो कह दिया किसी ने के तुम बदतरीन हो

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

मौजमाबाद यादव समाज के तहसील अध्यक्ष का एक्सीडेंट

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के निकटवर्ती मौजमाबाद तहसील के यादव समाज के अध्यक्ष रतन लाल जी डागर सुबह के समय भंदे के बालाजी के दर्शन करने जा रहे थे। में सड़क पर मोटरसाइकिल से रवाना हुई रवाना होते ही अचानक एक गाड़ी ने आकर टक्कर मार दी जिससे अध्यक्ष डागर का एक्सीडेंट हो गया अब उनकी तबीयत ठीक है। इसकी सूचना जयपुर जिला के अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातो दिया को मिली मिलते ही अपने समाज की टीम को लेकर उनसे मिलने घर पहुंचे। अध्यक्ष डागर को उनके स्वास्थ्य के लिए जल्दी ठीक होने को लेकर भगवान कृष्ण जी को अर्जी लगाई। चौमूं छात्रावास निर्माण समिति अध्यक्ष बालूराम घी वाले व रामसिंह फौजी एवं विश्व यादव भींम सिंह ठोठवाल, परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव, वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव, राजेंद्र, दूदू से मोहन आफरिया भी दूरभाष से तहसील डागर निवास महला पहुंचे और उनके कुशल-क्षेम पूछा तथा जल्दी स्वास्थ्य ठीक होने की कामना की। श्रीमान् रतन जी से उनकी कुशल-क्षेम पूछी तथा जल्दी स्वस्थ होने की कामना की। उसे मौके पर रतन जी डागर सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। रतन जी काफी सरल स्वभाव एवं सुलझे हुए विचारों वाले व्यक्ति हैं, आपसे समाज में व्याप्त कुरीतियों के सम्बन्ध में विस्तृत विचार विमर्श हुआ।

हज़रत ख्वाजा सैयद शाह अहमद चिश्ती का सालाना उर्स

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हज़रत ख्वाजा सैयद शाह अहमद चिश्ती का सालाना उर्स धूमधाम और मुल्क में अमन चैन की दुआओं के साथ संपन्न हुआ । सैयद आबिद अली चिश्ती सज्जाद नशीन दरगाह अहमद चिश्ती अमरसर की सरपरस्ती में दरगाह हज़रत ख्वाजा सैयद शाह अहमद चिश्ती र. अ. के मौके पर झंडा की रस्म के साथ चद्दर पेश की गई । उसके बाद में अकीदत के फूल पेश किए गए । रात में महफिले समा का प्रोग्राम शुरू हुआ, जिसमें सूफी तरानों के साथ कलाम कव्वालियां पेश की गई । मिलाद शरीफ की महफिल हुई, फिर अगले दिन जाहिरीनों का तांता लगा रहा और उसके बाद कुल की रस्म अदायगी के साथ तमाम मुल्क की अमन चैन शांति के लिए दुआ की गई और लंगर का प्रोग्राम जोर-शोर से जारी रहा । इस मौके पर सज्जादा नशीन सैयद आबिद अली चिश्ती की सदस्यता में इन तमाम लोगों को दस्तारबंदी की। इनका इस्तकबाल किया गया और विदा किया गया । माशाल्लाह पूरे दिन लंगर भी चला, उसके साथ इसका समापन हुआ । इस मौके पर सैय्यद आबिद अली चिश्ती फरीदी, सैयद साबिर अली चिश्ती, सैयद फरीद अली, सैयद रुहान अली, सैयद सादिक अली, सैयद वाहिद अली, सैयद आदिल, सैयद कासिम इस्माइल खान, फहीम खान, सैफ खान, मोहम्मद अमीन खान चिश्ती, साबरी समाज सेवक जयपुर वसीम राजा जयपुर, अख्तर भाई मीठी कुइया जयपुर, अन्नू भाई जयपुर, शकील भाई जूस वाले, मकसूद भाई रंगरेज, अबरार भाई, आलिया फर्नीचर जयपुर, छोटे हाजी शकील अहमद गोरी, अफसर गोरी जयपुर, गुलफाम भाई, वकील साहब जयपुर, राजा खान टाली वाले, खादिम रजाक खान ताले वाले, इमरान भाई चंदास वाले, गुड्डू बक्श, इमरान बख्श, इरफान बख्श, गुस्सा गुलाम रसूल की मनिहार, रोशन मनिहार मकबूल की मनिहार सलीम मनिहार, महबूब मनिहार धनोता वाले, अमरसर से सलीम कुरैशी, शाहिद कुरेशी, बाबू मुस्तफा कुरैशी, ऐजाज खान, कमालुद्दीन भाई, रियाज अकबर की मुगल खान, फारूक गाजी, रिजवान खान, अयान खान गोरी, अब्दुल्ला भाटी, आहिल खान, असलम शाह, अमीन खान, उस्मान यारियां, सलीम नारिया, कालू न्यारिया, दीन मोहम्मद नियारिया, बाबू निहारिया, हसन निहारिया, जफर सोहेल कुरेशी, शाहिद खान जयपुर नारी का नाका, राशिद भाई ईदगाह, राजन भाई ईदगाह, बुजुर्ग गाने दिन की खिदमत में मौजूद रहे ।

अखबार बांटने के लिए हॉकर्स की आवश्यकता है

जयपुर से प्रकाशित होने वाले लोकप्रिय अखबार "रॉयल पत्रिका" को जयपुर में अख़बार बांटने के लिये पढ़े-लिखे युवकों की आवश्यकता है । वेतन रु. 10,000+पेट्रोल+इन्सेंटिव ।
तुरन्त संपर्क करें – मोबाइल: 97995 59096

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।
-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा ।
अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें ।
-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

शरीर के अंदर धीरे-धीरे नुकसान करता साइलेंट किलर - डॉ. सुमित गर्ग

-जागरूकता ही बचाव और बचाव ही सबसे प्रभावी उपचार

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। आज की भाग दौड़ भरी जिन्दगी में सफलता की दौड़ जितनी तेज हो गई है, उतनी ही तेजी से हमारी सेहत पीछे छूटती जा रही है। कभी केवल बुजुर्गों की बीमारी मानी जाने वाली उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) अब युवाओं के जीवन में भी तेजी से अपनी जगह बना रही है। यही कारण है कि हर वर्ष 17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाकर लोगों को इस खतरे के प्रति जागरूक किया जाता है। उच्च रक्तचाप को साइलेंट किलर कहा जाता है, क्योंकि यह बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर के अंदर धीरे-धीरे गंभीर नुकसान करता रहता है और जब तक इसका पता चलता है, तब तक स्थिति काफी गंभीर हो चुकी होती है। गर्ग हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर सवाई माधोपुर के डॉ. सुमित गर्ग का कहना है कि आधुनिक जीवनशैली इस समस्या के पीछे एक बड़ा कारण बनकर उभरी है। आज के युवाओं में बढ़ता मानसिक तनाव, करियर की चिंता और कार्यस्थल का दबाव उन्हें लगातार प्रभावित कर रहा है। इसके साथ ही देर रात तक मोबाइल और स्क्रीन का उपयोग नींद की गुणवत्ता को खराब कर रहा है, जिससे शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता। खानपान की बदलती आदतें भी इस समस्या को बढ़ा रही हैं, जहां फास्ट फूड, प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ और अधिक नमक का सेवन आम हो गया है। इसके अलावा शारीरिक गतिविधियों की कमी, लंबे समय तक बैठकर काम करना और धूम्रपान या शराब जैसी आदतें रक्तचाप को बढ़ाने में अहम

भूमिका निभाती हैं।

युवाओं में तेजी से बढ़ रहे प्री-हाइपरटेंशन के मामले –

यदि आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति अत्यंत चिंताजनक दिखाई देती है। दुनिया भर में 130 करोड़ से अधिक लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, जिनमें से लगभग आधे लोगों को इस बीमारी के बारे में जानकारी ही नहीं है। भारत में हर चौथा वयस्क इस समस्या से जूझ रहा है और सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि 18 से 35 वर्ष के युवाओं में प्री-हाइपरटेंशन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह स्थिति भविष्य में हृदय रोग, स्ट्रोक और किडनी फेल्योर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है।

शरीर के महत्वपूर्ण अंगों पर उच्च रक्तचाप का प्रभाव –

उच्च रक्तचाप का प्रभाव शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों पर पड़ता है। यह हृदय पर अतिरिक्त दबाव डालकर हार्ट अटैक और हार्ट फेल्योर का खतरा बढ़ाता है। मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं पर असर डालकर ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन सकता है। किडनी की कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचाकर शरीर में विषाक्त पदार्थों के जमाव को बढ़ाता है और आंखों की रक्त वाहिकाओं को प्रभावित कर दृष्टि संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न कर सकता है।

उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करना पूरी तरह संभव –

हालांकि, अच्छी बात यह है कि उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करना पूरी तरह संभव है, यदि समय रहते जीवनशैली में सुधार किया जाए। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने आहार में नमक की मात्रा सीमित रखें और संतुलित भोजन अपनाएं, जिसमें फल, सब्जियां और साबुत अनाज शामिल हों। नियमित रूप से 30 से 45 मिनट तक व्यायाम, योग या तेज़ चाल से चलना शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। मानसिक तनाव को कम करने के लिए ध्यान और प्राणायाम को दिनचर्या में शामिल करना चाहिए, साथ ही डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर पर्याप्त नींद लेना भी जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नियमित रूप से रक्तचाप की जांच करवाई जाए, ताकि समय रहते किसी भी समस्या का पता लगाया जा सके।

नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी -

उच्च रक्तचाप केवल एक बीमारी नहीं बल्कि एक गंभीर चेतावनी है, जिसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। इस विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देंगे, नियमित जांच करवाएंगे और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएंगे। क्योंकि सच यही है कि जागरूकता ही बचाव है और बचाव ही सबसे प्रभावी उपचार।

पीटीआई भर्ती-2022 के शिक्षक स्थायीकरण की मांग पर अड़े

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शहीद स्मारक पर पीटीआई भर्ती-2022 के चयनित शिक्षक लगातार धरने पर बैठे हुए हैं। राजस्थान शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन में प्रदेशभर से शिक्षक शामिल हो रहे हैं। भर्ती-2022 में कुल 5546 पदों पर भर्ती निकली थी, जिसमें 4180 अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिली। चयनित शिक्षकों को सेवा करते हुए करीब 2 साल 9 महीने हो चुके हैं, लेकिन अब तक उनका वेतन नियमितीकरण और स्थायीकरण नहीं किया गया है।

"दो साल से ज्यादा सेवा के बाद भी अधिकार अधूरे"

धरने पर बैठे शिक्षकों का कहना है कि न्यायिक नियमों के अनुसार किसी भी कर्मचारी की दो वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी होने पर उसका वेतन नियमितीकरण और स्थायीकरण किया जाना चाहिए। शिक्षकों का आरोप है कि उन्होंने पूरी ईमानदारी से सेवाएं दीं, स्कूलों में विद्यार्थियों के शारीरिक और

मानसिक विकास में योगदान दिया, लेकिन सरकार अब तक सिर्फ आश्वासन दे रही है।

एसओजी जांच पर शिक्षकों का हमला

प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों ने एसओजी की जांच प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए। उनका कहना है कि पिछले करीब दस महीनों से लगातार एसओजी और अन्य विभागों द्वारा दस्तावेजों की जांच की जा रही है। कई बार सत्यापन होने के बावजूद अब तक कोई बड़ा फर्जी अभ्यर्थी सामने नहीं आया। शिक्षकों ने सवाल उठाया कि आखिर बार-बार जांच के बाद भी अगर कोई फर्जी अभ्यर्थी नहीं मिल रहा, तो फिर चयनित शिक्षकों के अधिकार क्यों रोके जा रहे हैं?

"हर बार जांच का बहाना क्यों?"

शिक्षकों का कहना है कि हर बार सरकार की ओर से यही जवाब दिया जाता है कि जांच चल रही है। कभी एसओजी, कभी जिला स्तर तो कभी विभागीय जांच का हवाला देकर स्थायीकरण टाल दिया जाता है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बार-बार जांच के नाम पर युवाओं को मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान किया जा रहा है। कई शिक्षक ऐसे हैं जिनके परिवार की जिम्मेदारी इसी वेतन पर टिकी हुई है।

भीषण गर्मी में धरना जारी

तेज गर्मी के बावजूद शिक्षक शहीद स्मारक पर डटे हुए हैं। उनका कहना है कि जब तक स्थायीकरण और वेतन नियमितीकरण के आदेश जारी नहीं होते, आंदोलन जारी रहेगा। शिक्षकों ने सरकार से मांग की है कि जांच पूरी होने के बाद अब और देरी न करते हुए जल्द आदेश जारी किए जाएं, ताकि हजारों शिक्षकों और उनके परिवारों को राहत मिल सके।

पृष्ठ एक का शेष....

डोटासरा अपना कार्यकाल भूल गए, कांग्रेस राज में....

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस नेता एनटीए को "नॉन ट्रस्ट एजेंसी" कह रहे हैं, तो फिर ट्रस्ट किस पर किया जाए, गहलोत, डोटासरा या पायलट पर। एनटीए लगातार देशभर में सफलतापूर्वक परीक्षाएं आयोजित कर रही है। पेपर लीक जैसे गंभीर विषय पर राजनीति और बयानबाजी करने के बजाय दोषियों पर कार्रवाई का समर्थन होना चाहिए। भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है। जैसे ही अनियमितता की जानकारी सामने आई, केंद्र सरकार और एनटीए ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। दोषियों की गिरफ्तारी शुरू हो गई और पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने केवल कार्रवाई ही नहीं की, बल्कि भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए ऐतिहासिक और नीतिगत फैसले भी लिए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पेट्रोल-डीजल मूल्य वृद्धि संबंधी बयान पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत को अपने कार्यकाल में बढ़ाए गए वैट और टैक्स का भी जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विषम परिस्थितियों में भी देश के लिए ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। विपक्ष केवल आलोचना करने में लगा है, जबकि लोकतंत्र में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर चर्चा होनी चाहिए। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहिए। अगर कांग्रेस सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद देती तो आज उनकी ये स्थिति नहीं बनती। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा मितव्ययता की अपील का समर्थन करते हुए कहा कि हर परिवार अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए बचत और संसाधनों के संयमित उपयोग की बात करता है। पानी बचाओ, बिजली बचाओ जैसे संदेश समाज और देशहित में हैं, लेकिन विपक्ष सकारात्मक सोच के बजाय केवल आलोचना की राजनीति कर रहा है।

खाचरियावास के जन्मदिन पर समर्थकों की उमड़ी भीड़

-कहा भाजपा के नेता ही पेपर माफिया हैं

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । 16 मई को जयपुर के सिविल लाइन में स्थित बाल निवास मैरिज गार्डन में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपना जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया, जहां हज़ारों की संख्या में समर्थक इकठ्ठा हुए और डांस किया, रॉयल पत्रिका से खास बातचीत के दौरान खाचरियावास ने अपनी हार का दुःख भी जताया साथ में कहा कि आज इन समर्थकों को देख मन हल्का हुआ है। इसके अलावा 'रुपया और देश की अर्थ-व्यवस्था चौपट करने के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार और स्थानीय भाजपा नेताओं पर जमकर तीखा हमला बोला है। सिविल लाइंस स्थित आवास पर उमड़ी समर्थकों की भीड़ के बीच 'रॉयल पत्रिका' से विशेष बातचीत में खाचरियावास ने देश की गिरती अर्थ-व्यवस्था, महंगाई, पेपर लीक और प्रधानमंत्री के विदेश दौरों को लेकर सरकार को घेरा।

जनता से अपील: 'वोटर भी निभाएं ईमानदारी से साथ'

हालिया विधानसभा और लोकसभा चुनावों में मिली हार का जिक्र करते हुए खाचरियावास ने कहा कि जयपुर की जनता का प्यार और समर्थन अब फिर से बढ़ रहा है। हालांकि, उन्होंने वोटरों से भी अपील की, "मैं तो हमेशा जनता की उम्मीदों पर खरा उतरता हूं, लेकिन जब मुझे जरूरत होती है तब लोग खरे क्यों नहीं उतरते, यह मैं आज तक नहीं समझ पाया। वोटरों को भी ईमानदार होना चाहिए, यदि हम हमेशा उनका साथ निभाते हैं तो उन्हें भी हमारा साथ निभाना चाहिए"।

अर्थ-व्यवस्था और महंगाई पर केंद्र फेल

डॉलर के मुकाबले कमजोर होते रुपए पर बरसते हुए खाचरियावास ने कहा कि रुपया पिटने का मुख्य कारण भारत सरकार का खराब मैनेजमेंट है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेट्रोल-डीजल और सोना महंगा करके जनता को डरा रही है। रूस से सस्ते क्रूड ऑयल के मुद्दे पर उन्होंने कहा, "रूस हमारा पुराना दोस्त है और वह रुपए के बदले हमें दुनिया का सबसे सस्ता क्रूड ऑयल दे रहा था, जिससे देश को बड़ा फायदा हुआ। लेकिन सरकार ने अमेरिका के डर से उससे संबंध तोड़ दिए और अब महंगा तेल खरीद रहे हैं, यह केंद्र का बड़ा फेलियर है"। उन्होंने नोटबंदी को देश को बर्बाद करने वाला कदम बताया।

पेपर माफिया ही बीजेपी के नेता हैं

राजस्थान में पेपर लीक के मामले पर खाचरियावास ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि भाजपा के नेता ही पेपर माफिया हैं। भाजपा विधायक गोपाल शर्मा द्वारा आरोपियों के पहले कांग्रेस में होने के दावे पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा, "यह झूठ बोलने से काम नहीं चलेगा। अगर ऐसा है तो वो साबित करें। मंत्रियों और पदाधिकारियों के साथ आरोपियों की तस्वीरें आ रही हैं। हमारे नेताओं के साथ क्यों नहीं मिल रही? पेपर लीक पूरी तरह से बीजेपी का फेलियर है और उन्हें जनता को जवाब देना पड़ेगा"।

रोटी और रोजगार पर ध्यान दें पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों और भाजपा नेताओं के बयानों पर तंज कसते हुए पूर्व मंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री आगे भी विदेश जाएं, हमें कोई दिक्कत नहीं है । लेकिन वे कम से कम देश के लोगों के लिए रोटी और रोजगार की व्यवस्था तो करें। आज पूरा देश भूख, गरीबी और महंगाई से तड़प रहा है"।

पेट्रोल-डीजल की महंगाई से परेशान दिखे आम लोग

-महंगे ईंधन पर जनता में उबाल

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में रु.3 प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद आम लोगों में भारी नाराज़गी देखने को मिल रही है। 15 मई 2026 से लागू हुई नई कीमतों ने आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाला है। वहीं प्रमुख शहरों में सीएनजी भी रु.2 प्रति किलो तक महंगी हो गई है। करीब चार साल बाद ईंधन की कीमतों में हुए इस बड़े बदलाव ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर जब लोगों से बात की गई तो हर किसी ने महंगाई और बढ़ते खर्चों को लेकर अपना दर्द बयां किया।

पेट्रोल महंगा, पंपों पर सन्नाटा

पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के बाद कई पेट्रोल पंपों पर सन्नाटा देखने को मिला। आम दिनों की तुलना में गाड़ियां कम नजर आईं। लोगों का कहना है कि बढ़ती महंगाई ने बजट बिगाड़ दिया है,

डिलीवरी बॉय ने सुनाया दर्द

एक डिलीवरी पार्टनर ने सरकार और निजी कंपनियों दोनों पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि केवल सरकारी कर्मचारियों की सुविधाएं बढ़ाने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले मजदूरों की हालत बेहद खराब है। "सेठ लोग 12-13 घंटे काम करवाकर 8 से 10 हजार रुपये देते हैं। पेट्रोल महंगा हो रहा है, लेकिन हमारी सैलरी नहीं बढ़ रही। बच्चों का पेट पालने के लिए मजबूरी में काम करना पड़ता है। सरकार को प्राइवेट मजदूरों के बारे में भी सोचना चाहिए," उन्होंने कहा।

मिडिल क्लास पर बढ़ा बोझ

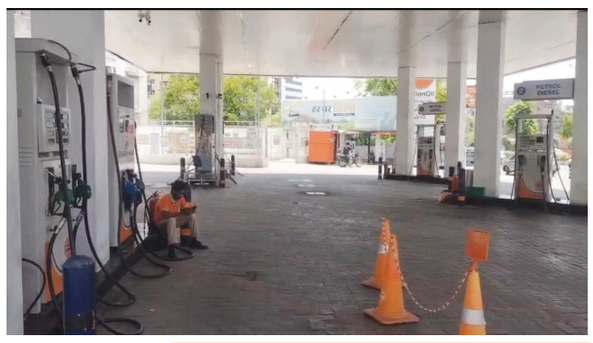

पेट्रोल पंप पर पहुंचे एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि जैसे ही उन्हें कीमतें बढ़ने की खबर मिली, वह तुरंत पेट्रोल भरवाने पहुंच गए। उन्होंने कहा कि "10 लीटर पेट्रोल डलवाने पर सीधे 30-40 रुपये का फर्क आ गया। कोरोना काल में भी अचानक कीमतें बढ़ी थीं, लेकिन आज तक उसका हिसाब किसी ने नहीं दिया। सबसे ज्यादा बोझ मिडिल क्लास पर पड़ रहा है।" उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को आम आदमी के खर्चों को ध्यान में रखते हुए फैसला लेना चाहिए।

शहरों में पेट्रोल-डीजल के नए दाम

शहर	पेट्रोल (₹/लीटर).	डीजल (₹/लीटर)
दिल्ली.	रु.97.77.	रु.90.67
मुंबई.	रु.106.68.	रु.93.14
कोलकाता.	रु.108.74.	रु.95.13
चेन्नई.	रु.103.67.	रु.95.25
जयपुर.	रु.107.97	रु.93.23

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ी चर्चा

लगातार बढ़ती कीमतों के बीच कई लोग अब इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुख करने की बात कर रहे हैं। एक युवक ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों ने उन्हें इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और कार खरीदने पर सोचने को मजबूर कर दिया है। उनका कहना था कि "आज नहीं तो कल हर भारतीय को इलेक्ट्रिक विकल्प अपनाने पर विचार करना पड़ेगा, क्योंकि ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।"

कच्चे तेल ने बढ़ाई चिंता

विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी तनाव और हॉर्मुज जलडमरू मध्य में संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। ब्रेंट क्रूड 109 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुका है, जबकि भारत का आयातित क्रूड भी 108 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। भारत अपनी जरूरत का करीब 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए वैश्विक संकट का सीधा असर देश की ईंधन कीमतों पर पड़ रहा है।

हाईकोर्ट वकील की दो टूक

राजस्थान हाईकोर्ट के प्रैक्टिसिंग एडवोकेट अंशुमन शुक्ला ने कहा कि सरकारें चुनाव के दौरान बड़े दावे करती हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही जनता पर बोझ बढ़ा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि "आज आम आदमी जाति और धर्म की राजनीति में उलझा हुआ है, जबकि असली मुद्दा महंगाई और रोजगार है। सरकारों को आम जनता की परेशानियों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि सबसे ज्यादा असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है।"

रोजमर्रा की चीजों पर महंगाई का असर

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर अब सिर्फ वाहनों तक सीमित नहीं रहने वाला है।

सड़क परिवहन महंगा होने के कारण फल, सब्जियां, दूध, पैकेट फूड और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले एफएमसीजी (FMCG) उत्पादों के दाम बढ़ने की आशंका भी तेज हो गई है। व्यापारियों और आम लोगों का कहना है कि जब ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ता है तो उसका सीधा असर बाजार में बिकने वाली हर जरूरी वस्तु पर पड़ता है। खासकर मध्यम वर्ग और दिहाड़ी मजदूरों के लिए आने वाले दिनों में घर का बजट संभालना और मुश्किल हो सकता है।

विपक्ष ने सरकार को घेरा

ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा कि "चुनाव खत्म हुए और अब जनता से वसूली शुरू हो गई।" वहीं राहुल गांधी ने कहा कि "मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुका रही है।" समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी साइकिल का कार्टून साझा करते हुए सरकार पर निशाना साधा।

मोदी की अपील का समर्थन

ऑटो रिक्शा से भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे हमीद खान मेवाती

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन बचाने और सार्वजनिक परिवहन अपनाने की अपील का समर्थन करते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती गुरुवार को ऑटो रिक्शा से भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे।

उनके इस कदम को कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने सकारात्मक संदेश बताते हुए सराहा।

ऊर्जा संरक्षण पर दिया संदेश

भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचने के बाद हमीद खान मेवाती ने कहा कि वर्तमान समय में ऊर्जा संरक्षण देश की सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है।

उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ती खपत और वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए हर नागरिक को ईंधन बचाने की दिशा में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

उन्होंने लोगों से अपील की कि जहां संभव हो, निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें, ताकि ईंधन की बचत हो सके।

पर्यावरण संरक्षण की भी चिंता

हमीद खान मेवाती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का "ईंधन बचाओ" संदेश केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि लोग छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाते हैं, तो इससे देश को लंबे समय में बड़ा फायदा होगा। सार्वजनिक परिवहन अपनाने से ट्रैफिक का दबाव कम होगा, प्रदूषण घटेगा और देश ऊर्जा आत्म-निर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा।

कार्यकर्ताओं ने की सराहना

भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने हमीद खान मेवाती का स्वागत किया और उनके इस कदम की प्रशंसा की।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा इस तरह का संदेश समाज में जागरूकता फैलाने का काम करता है।उन्होंने कहा कि जब नेता खुद उदाहरण पेश करते हैं, तो आम लोगों पर उसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

आमजन से की अपील

हमीद खान मेवाती ने अंत में कहा कि देशहित में ईंधन की बचत हर नागरिक की छोटी लेकिन महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने लोगों से जरूरत पड़ने पर ही निजी वाहनों का उपयोग करने और अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन अपनाने की अपील की। उनका कहना था कि यदि हर व्यक्ति थोड़ा-थोड़ा योगदान दे, तो देश ऊर्जा संकट और बढ़ते प्रदूषण जैसी समस्याओं से काफी हद तक निपट सकता है।

प्रधानमंत्री के 'सोना कम खरीदने' के बयान पर क्या बोले सर्राफा कारोबारी?

-जानिए ज्वैलरी मार्केट में क्या चल रहा है

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में दिए गए एक बयान ने देश के सर्राफा बाजार और व्यापारिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से सोना कम खरीदने, पेट्रोल का सीमित उपयोग करने, वर्क फ्रॉम होम (घर से काम) को बढ़ावा देने और ऊर्जा बचाने की अपील की थी । जहां एक तरफ इस बयान का कुछ ज्वैलर्स द्वारा विरोध किया जा रहा है, वहीं जयपुर के सर्राफा कारोबारियों ने इस पर अपनी विस्तृत प्रतिक्रिया दी है।

इन्वेस्टमेंट के मकसद से सोना डंप करने वालों के लिए है अपील

जयपुर के ज्वैलरी कारोबारी कैलाश मित्तल ने इस बयान पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की इस अपील से वास्तविक व्यापार पर कोई खास नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा, "मोदी जी के कहने का तात्पर्य यह है कि जो लोग सिर्फ निवेश (इन्वेस्टमेंट) के मकसद से सोना खरीदकर घरों में डंप कर देते हैं, वे ऐसा न करें ताकि देश की विदेशी मुद्रा बच सके और आर्थिक डेप्रिसिएशन को रोका जा सके।"

बजट से बाहर हुआ सोना, एक्सचेंज ऑफर का ले रहे सहारा

कारोबारियों के अनुसार, सोने के दामों में आई भारी तेजी के कारण आम नागरिक और छोटे स्तर के ग्राहक वैसे भी बाजार से लगभग बाहर हो चुके हैं। पहले जो लोग छोटे-छोटे सोने के आइटम्स खरीदते थे, अब उनकी कीमतें बजट से तीन गुना तक बढ़ चुकी हैं। वर्तमान में केवल वही लोग सोना खरीद रहे हैं जिनके घरों में शादी-ब्याह या कोई खास फंक्शन है। स्थिति यह है कि कई ग्राहक नकद भुगतान करने के बजाय अपने घरों से पुराना सोना लाकर उसे नई ज्वैलरी से एक्सचेंज कर रहे हैं।

ऑफ-सीजन और ठप इम्पोर्ट से बाजार हुआ सुस्त

ज्वैलरी मार्केट में फिलहाल मंदी का एक बड़ा कारण शादियों का ऑफ-सीजन (मई-जून का महीना) और अत्यधिक गर्मी भी है, जिसके चलते बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही कम है। इसके अलावा, सर्राफा कारोबारियों ने बताया कि इस साल अप्रैल महीने से अब तक सरकार द्वारा बैंकों को आदेश जारी न होने के कारण भारत में गोल्ड इम्पोर्ट (सोने का आयात) भी नहीं हुआ है। विदेशी अर्थ-व्यवस्थाओं में मंदी के चलते भारत से होने वाला ज्वैलरी एक्सपोर्ट भी काफी प्रभावित हुआ है।

नासिर खान के जन्मदिन पर चादर पेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चार दरवाजा स्थित दरगाह पर मौलाना जियाउद्दीन साहब के उर्स के अवसर पर जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से चादर पेश की गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष सुनील शर्मा ने दरगाह पर हाजिरी देकर देश में अमन-शांति और भाईचारे की दुआ की। इस मौके पर जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव नासिर खान के जन्मदिन पर उन्हें मुबारकबाद भी दी गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसे अवसर समाज में सौहार्द और एकता का संदेश देते हैं।

निकाहे सानी (सैकंड मैरिज) गाइडेंस सेंटर, जयपुर में शुरू

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मुस्लिम मुसाफिरखाना, एम.डी. रोड, जयपुर में "निकाहे सानी गाइडेंस सेंटर" क़ायम किया गया है। इस नेक और अहम पहल का मक़सद बेवा, तलाकशुदा और उमररसीदा भाईयों और बहनों के लिए रिश्तों और निकाह का बेहतर और भरोसेमंद इंतिज़ाम करना है, ताकि उन्हें तन्हाई और मुश्किलात से निकलकर एक इज़्ज़तदार और पुरसुकून ज़िंदगी मिल सके। आज समाज में ऐसे बहुत से लोग मौजूद हैं जो किसी वजह से अकेली ज़िंदगी गुज़ार रहे हैं। इस सेंटर का मक़सद शरीअत और अख़लाक़ी उसूलों के दायरे में रहकर ऐसे अफ़राद की रहनुमाई, मशविरा और मुनासिब रिश्तों का इंतिज़ाम करना है।इस मुबारक कोशिश में शहर और सूबे की कई अहम दीनी और समाजी शख़्सियतें शामिल हैं: मुफ्ती मोहम्मद ज़ाकिर नोमानी — शहर मुफ्ती, जयपुर, शब्बीर ख़ान—कन्वीनर, राजस्थान मुस्लिम फोरम जयपुर, मोहम्मद नाज़ीमुद्दीन — अमीरे हल्क़ा, जमात ए इस्लामी हिन्द राजस्थान जयपुर, मोहम्मद शौक़त क़ुरैशी — सेक्रेट्री, मुस्लिम मुसाफिरखाना जयपुर, मोहम्मद साजिद सेहराई — नक़ीब, वहदत ए इस्लामी हिन्द नार्थ इंडिया, सैयद मुजाहिद अली नक़वी — जनरल सेक्रेटरी, आल इंडिया मिल्ली काउंसिल राजस्थान जयपुर ।

ए.पी.एस. स्कूल में धूमधाम से मनाया गया मदर्स डे

-माताओं का फूलों की वर्षा से स्वागत

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नाई की थड़ी स्थित ए. पी.एस स्कूल में मदर्स डे बड़े ही शानदार और भावपूर्ण तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिसर में पधारने वाली सभी माताओं पर फूलों की वर्षा करके भव्य स्वागत करने के साथ किया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी माताओं के सम्मान में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने कविता और गीतों के माध्यम से माँ के प्रति अपने भावों को खूबसूरती से व्यक्त किया, जिसे देखकर कई माताओं की आँखें नम हो गईं। माताओं के मनोरंजन के लिए विद्यालय द्वारा म्यूजिकल चेयर, स्पून-लेमन रेस जैसी कई रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता माताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक जनाब इक़बाल दानिश ख़ान ने क़ुरआन की रोशनी में माँ-बाप की अहमियत और उनका ऊँचा रुतबा बताया। उन्होंने समझाया कि इस्लाम में माँ-बाप के लिए कोई एक ख़ास दिन नहीं होता। बल्कि हमें ज़िंदगी के हर दिन उनका अदब करना है, इज़्ज़त करनी है और उनसे मोहब्बत करनी है। माँ-बाप की ख़िदमात ही असल कामयाबी है। इस खास मौके पर बच्चों से उनके पैरेंट्स के सामने यह वादा भी करवाया गया कि वे मोबाइल का इस्तेमाल नहीं करेंगे और फास्ट फूड से परहेज करेंगे। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती क़मर सुल्ताना एवं श्रीमती तरन्नुम ने बहुत ही सुंदर और प्रभावशाली अंदाज़ में किया। अभिभावकों ने विद्यालय के इस प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

सड़कों से गायब हुए ग्रीन टेंट, भीषण गर्मी के बावजूद जयपुर नगर निगम बेखबर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान की राजधानी जयपुर में सूरज के तीखे तेवरों ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। दोपहर होते-होते पारा 45 डिग्री सेल्सियस को छूने लगा है, लेकिन इस भीषण गर्मी में भी जयपुर नगर निगम की बड़ी लापरवाही सामने आई है। शहर के प्रमुख चौराहों पर हर साल लगाए जाने वाले 'ग्रीन टेंट' इस बार गायब हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालक और राहगीर चौराहों पर बने रेड सिग्नल पर तपने को मजबूर हैं। दोपहर 12 बजे की चिलचिलाती धूप में लोग बिना किसी साए के सिग्नल चालू होने का इंतजार करते देखे जा सकते हैं। जहां हर वर्ष नगर निगम द्वारा यातायात सुगमता और आमजन को राहत देने के लिए हरे रंग के अस्थाई टेंट लगाए जाते थे, वहां इस बार केवल सूनी सड़कें और तपती धूप है।

ग्रीन टेंट नहीं लगने की वजह से छाया की तलाश में लाल बत्ती पार कर रहे वाहन चालक

ग्रीन टेंट नहीं होने का सीधा असर अब शहर की यातायात व्यवस्था पर भी पड़ने लगा है। चौराहों पर तैनात महिला ट्रैफिक पुलिसकर्मी सपना ने बताया कि टेंट न होने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण धूप से बचने के चक्कर में कई लोग रेड लाइट का उल्लंघन कर रहे हैं। वे हरी बत्ती होने का इंतजार करने के बजाय जल्दी से जल्दी किसी छायादार स्थान पर पहुंचने की होड़ में नियम तोड़ रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा बढ़ गया है। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को भी बिना छाया के काम करना पड़ रहा है और कई बार राहगीर गर्मी के कारण बेहोश भी हो जाते हैं।

ईंधन की बर्बादी और आर्थिक नुकसान

चौराहे पर खड़े वाहन चालकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि छाया न होने के कारण लोग तपती धूप में अपनी गाड़ियां बंद नहीं कर पा रहे हैं, जिससे पेट्रोल की भारी बर्बादी हो रही है। एक तरफ देश में ईंधन बचाने की बात की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ नगर निगम की सुस्ती के कारण जनता की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है।

नगर निगम से जल्द टेंट लगाने की मांग

भीषण गर्मी की शुरुआत के बाद भी जयपुर नगर निगम अभी तक बेपरवाह बना हुआ है। आम जनता और धरातल पर काम कर रहे पुलिसकर्मियों ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि बिना किसी देरी के शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर तुरंत ग्रीन टेंट लगाए जाएं ताकि इस जानलेवा गर्मी में लोगों को थोड़ी राहत मिल सके।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

देश हित में निर्णय लें तो पेट्रोल डीजल सस्ता हो सकता है !

अमेरिका इज़राईल और ईरान युद्ध के कारण विश्व में ईंधन के मूल्य बढ़ते जा रहे हैं। भारत में भी पेट्रोल डीजल और गैस के मूल्य बढ़ चुके हैं। पेट्रोल डीज़ल के मूल्यों में वृद्धि से माल परिवहन महंगा हो रहा है और खाद्य वस्तुओं सहित रोज़मर्रा की सभी वस्तुएं महंगी होती जा रही हैं। अमेरिका इज़राईल और ईरान युद्ध का असर भारत पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। भारत में महंगाई और बेरोज़गारी कम करने के लिए सरकार कोशिश कर रही है। लेकिन नाकामी हाथ लगी है। देश में आर्थिक संकट जो दिखाई दे रहा है, वह मुख्य रूप से शासित पार्टी भाजपा और उसके पैतृक संगठन आरएसएस की विचारधारा के कारण भी है। भाजपा और आरएसएस की विचारधारा के कारण भारत इज़राईल अमेरिका के पक्ष में चला गया। भारत के कमज़ोर नेतृत्व के कारण भारत देश हित में और देश के आर्थिक हित में निर्णय नहीं ले पा रहा है। अमेरिका से भारत का नेतृत्व क्यों डरता है इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कोई जवाब नहीं देते हैं और ना ही विरोध करते हैं। यही कारण है कि देश को आर्थिक नुकसान हो रहा है और पेट्रोल डीज़ल महंगा मिल रहा है। यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र की भाजपा सरकार देश हित में निर्णय लेती तो भारत आज रशिया और ईरान से सस्ता तेल और गैस खरीद रहा होता और भारत को बड़ा आर्थिक फायदा होता। लेकिन अमेरिका के दबाव और इज़राईल से दोस्ती के चलते प्रधानमंत्री दबाव में ईरान और रूस के अलावा दूसरे देशों से महंगा पेट्रोल डीज़ल और गैस खरीद रहे हैं। इज़राईल से दोस्ती भारत के आर्थिक हित में नहीं है, 60 से ज्यादा मुस्लिम देश इज़राईल का विरोध करते हैं। इज़राईल का दबदबा जो ईरान युद्ध से पहले था, ईरान ने उसे पूरी तरह समाप्त कर दिया। मुस्लिम देश इज़राईल के मित्र देशों को कभी पसंद नहीं करते हैं। जबकि ज्यादातर मुस्लिम देशों के पास तेल गैस के भंडार हैं और भारत को सस्ते दामों पर दे सकते हैं। लेकिन विचारधारा के चलते देश को आर्थिक दिवालियापन से बचाने की सोच बड़ी खतरनाक हो सकती है। भारत की स्वतंत्रता के 70 वर्षों तक देश के खाड़ी देशों से अच्छे संबंध रहे और भारत में पेट्रोल डीज़ल गैस का कभी बड़ा संकट खड़ा नहीं हुआ। अब जबकि भारत इज़राईल से दोस्ती बढ़ा रहा है और अमेरिका के इशारे पर चल रहा है जो देश के लिए किसी भी प्रकार से सही नहीं कही जा सकती है। सरकारों एवं सरकार चला रहे नेताओं के लिए देश को मजबूत करने का लक्ष्य होना चाहिए, लेकिन अब ऐसा दिखाई नहीं दे रहा है विचारधारा के चलते देश को नुकसान करने में परहेज नहीं किया जा रहा है। ईरान और रशिया भारत को सस्ता तेल पेट्रोल डीज़ल देने के लिए तैयार है लेकिन भारत अमेरिका या फिर अमेरिका की इच्छा पर तेल खरीद रहा है। यह नीति देश हित में नहीं मानी जा सकती है।

सफ़ा और मरवा की पहाड़ियों का इस्लाम में महत्व

हज और उमराह इस्लाम में बहुत महत्वपूर्ण इबादतें हैं। हर साल लाखों मुसलमान इन यात्राओं पर जाते हैं। हज और उमराह करने का सवाब बहुत बड़ा है, इसलिए मुसलमान जीवनभर इस नीयत से अल्लाह के घर, पवित्र काबा की यात्रा करना चाहते हैं। इन दोनों इबादतों में कई रस्में और धार्मिक कुर्बानियाँ होती हैं। इनमें से एक मशहूर रस्म है सफा और मरवा की पहाड़ियों के बीच चलना या दौड़ना। यह इस्लामी रस्म का एक अहम हिस्सा है, जिसकी अहमियत से इंकार नहीं किया जा सकता। आइए ! जानते हैं सफा और मरवा के बारे में हर ज़रूरी बात।

सफा और मरवा क्या हैं ?

सफा और मरवा मक्का, सऊदी अरब के मस्जिद अल-हरम के अंदर एक लंबे गलियारे में स्थित दो ऐतिहासिक पहाड़ियाँ हैं। ये दो पहाड़ियाँ अबू क़ुबैस और कायकान नाम के बड़े पहाड़ों से जुड़ी हैं। हज और उमराह के दौरान मुसलमानों को आदेश है कि वे इन दो पहाड़ियों के बीच सात बार चलें या दौड़ें। इसे 'सई' कहते हैं, जिसका मतलब होता है चलना, पीछा करना या कोशिश करना। सई एक सुन्नत है, इसलिए हर तीर्थ यात्री को हज और उमराह सही तरीके से करने के लिए यह रस्म पूरी करनी चाहिए। सफा और मरवा के बीच लगभग 450 मीटर (या 1480 फीट) की दूरी है। सात बार सफा से मरवा और मरवा से सफा की यात्रा कुल मिलाकर करीब 3.15 किलोमीटर (या 1.96 मील) होती है। यह रास्ता मस्जिद अल-हरम के गलियारे में आता है। यह रस्म मुसलमानों को यह याद दिलाती है कि जो कोई भी अल्लाह के रास्ते में सब्र और मेहनत करेगा, उसे ज़रूर इनाम मिलेगा।

सफा और मरवा का इस्लाम में महत्व

सफा और मरवा के बीच दौड़ना या चलना हज और उमराह की मुख्य रस्मों में से है, इसलिए ये पहाड़ियाँ इस्लाम में बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह रस्म हज़रत हजर (रज़ि.) की मिसाल है जिन्होंने अपने बेटे हज़रत इस्माईल (अलैहिस्सलाम) के लिए मुश्किल हालात में भी अल्लाह की आज़माइश और उसकी इच्छा के प्रति अटूट विश्वास दिखाया। तीर्थ यात्री सफा और मरवा के बीच चलकर या दौड़कर हज़रत हजर (रज़ि.) की इस तपस्या और उनके बेटे के लिए उनके प्यार

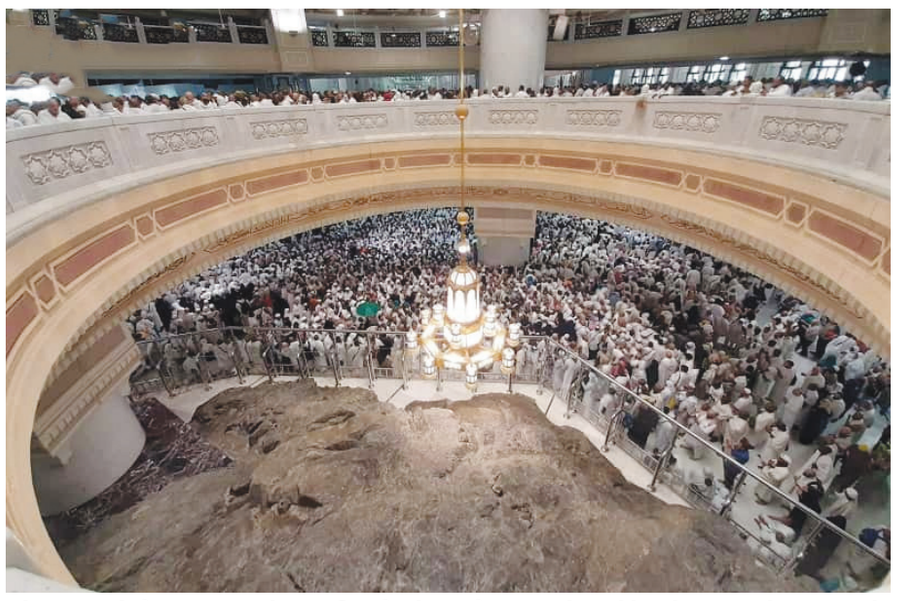

को याद करते हैं। यह रस्म हमें भी सीख देती है कि जीवन में कठिनाइयों के बावजूद हमें धैर्य और विश्वास बनाए रखना चाहिए।

सफा से मरवा तक चलने में कितना समय लगता है ?

पूरे सफर में 3.15 किलोमीटर या 1.96 मील का रास्ता होता है, जिसे चलने में करीब 10 मिनट लगते हैं। 7 बार चलने पर लगभग 2 घंटे 45 मिनट लग सकते हैं, जिसमें दुआ पढ़ने और आराम करने का समय भी शामिल है। सेहत और ताकत के अनुसार समय अलग हो सकता है, इसलिए ज़्यादा मेहनत न करें और पानी पीते रहें।

सफा और मरवा की कहानी

यह कहानी हज़रत हजर (रज़ि.) की है, जिन्होंने अपने बेटे हज़रत इस्माईल (अलैहिस्सलाम) के लिए पानी खोजने के लिए सात बार सफा और मरवा के बीच दौड़ लगाई। पैगंबर इब्राहिम (अलैहिस्सलाम) को अल्लाह ने हज़रत हाजरा (रज़ि.) और उनके बेटे को मक्का के एक सूखे, वीरान क्षेत्र में छोड़ने का हुक्म दिया। वहां पानी और राशन कम होने से हज़रत हाजरा (रज़ि.) ने पानी खोजने के लिए इन पहाड़ियों के बीच दौड़ लगाई। अल्लाह के फरिश्ते जिब्राईल (अलैहिस्सलाम) ने ज़मज़म का पानी चश्मा ज़मीन पर बनवा दिया, जिससे हज़रत इस्माईल (अलैहिस्सलाम) की जान बच गई। आज वही ज़मज़म का कुआं मस्जिद अल-हरम के अंदर मौजूद है। पैगंबर इब्राहिम (अलैहिस्सलाम) की बीवी हज़रत हाजरा (रज़ि.) ने अपने बच्चे के लिए पानी खोजने के लिए सात बार इन पहाड़ियों के बीच दौड़ लगाई। यह रस्म हज़रत हाजरा (रज़ि.) के संघर्ष और अल्लाह की मदद का प्रतीक है। फरिश्ता जिब्राईल (अलैहिस्सलाम) की मद्धत से ज़मज़म का पानी निकला, इसलिए हम उनके इस संघर्ष की याद में सात बार सफा और मरवा के बीच सई करते हैं।

सफा और मरवा का क़ुरआन में कहाँ जिक्र हैं?

"सफ़ा और मरवा अल्लाह के रीतों में से हैं। जो हज या उमराह करता है, उसके लिए इन दोनों के बीच घूमना कोई गुनाह नहीं। जो अपनी मर्ज़ी से भलाई करे तो अल्लाह उसका शुक्रिया अदा करता है।" [क़ुरआन 2:158]

सफा और मरवा की पहाड़ियाँ अल्लाह की महत्ता के निशान हैं। ये मस्जिद अल-हरम में काबा के पास हैं और हज-उमराह की अनिवार्य रस्मों का हिस्सा हैं। मुसलमान सात बार इनके बीच चलते या दौड़ते हैं ताकि हज़रत हाजरा (रज़ि.) की संघर्ष भरी कहानी और ज़मज़म की चमत्कारी मदद याद रख सकें।

कुशल क्षमताओं के माध्यम से मुस्लिम युवाओं का सशक्तिकरण

भारत के आर्थिक विकास के परिदृश्य में, बेरोज़गारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जो मध्यम ओर गरीब समुदायों को असमान रूप से प्रभावित कर रही है। इनमें से, 20 करोड़ से ज़्यादा नागरिकों वाले मुस्लिम समुदाय को मुख्यधारा के आर्थिक अवसरों तक पहुँचने में बाधाओं का सामना करना पड़ा है, क्योंकि व्यावसायिक प्रशिक्षण तक सीमित पहुँच, असंगठित विनिर्माण सुविधाएँ सहित सभी ने आर्थिक बहिष्कार में योगदान दिया है। भारत सरकार की कौशल विकास पहलों के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), और दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) जैसे कार्यक्रम हज़ारों युवाओं को गरीबी और बेरोज़गारी के चक्र से बाहर निकलने में मदद कर रहे हैं। आजमगढ़, मुर्शिदाबाद और मेवात जैसे ज़िलों में, जहाँ एक बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है, ये योजनाएँ स्थानीय ज़रूरतों के अनुसार व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। मोबाइल मरम्मत, डिजिटल मार्केटिंग, इलेक्ट्रिकल तकनीशियन कार्य, ए सी और रेफ्रिजरेशन सर्विसिंग और पैरा-मेडिकल सेवाओं के पाठ्यक्रमों में उच्च नामांकन देखा जा रहा है। इसके अलावा, ये कार्यक्रम अक्सर निःशुल्क होते हैं और प्लेसमेंट सहायता के साथ आते हैं। युवा मुस्लिम पुरुषों के लिए जो अन्यथा दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर सकते हैं या बेरोजगार रह सकते हैं, इस तरह का प्रमाणन न केवल रोजगार क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि सम्मान भी बहाल करता है। इस कौशल क्रांति का एक विशेष रूप से परिवर्तनकारी पहलू मुस्लिम महिलाओं पर इसका प्रभाव है, जिन्हें पारंपरिक रूप से गतिशीलता और रोजगार पर अधिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता था। आज, जेएसएस केंद्र महिलाओं को फैशन डिजाइन, कार्यालय प्रबंधन, ब्यूटीशियन कार्य और सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षण दे रहे हैं। हैदराबाद के पुराने शहर में, सिलाई और ड्रेस-मेकिंग में प्रशिक्षित मुस्लिम महिलाओं के समूहों ने सहकारी समितियाँ बनाई हैं, जो ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म और स्थानीय बुटीक को वस्त्र आपूर्ति करती हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान और स्किल इंडिया डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म जैसी पहल ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण विकल्प प्रदान करती हैं, जिससे इच्छुक शिक्षार्थियों के लिए भाग लेना आसान हो जाता है। फिर भी, भाषा की सुलभता, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक पूर्वाग्रह जैसी कमियाँ अभी भी व्यापक भागीदारी को बाधित करती हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, सरकार और नागरिक समाज को उर्दू सामग्री, स्थानीय प्रभावशाली लोगों, मदरसा और मस्जिद नेटवर्क के माध्यम से कौशल कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करना होगा। अब समय आ गया है कि हम अपने सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय को व्यावहारिक, बाज़ार-संरेखित कौशल प्रदान करें। भारत के आर्थिक लचीलेपन और समावेशी विकास का भविष्य इस बात पर निर्भर कर सकता है कि हम इन उभरते मुस्लिम उद्यमियों, श्रमिकों और नेताओं को अपनी राष्ट्रीय विकास गाथा में कितनी सफलतापूर्वक एकीकृत करते हैं।

नारी सशक्तिकरण हो, लेकिन सभी वर्गों की नारियों का हो

हाल ही में भाजपा द्वारा लाया गया महिला आरक्षण बिल पास नहीं हो पाया। भाजपा का यह बिल देखने-सुनने में महिलाओं के पक्ष और सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम लगता है। भला एक सभ्य समाज में महिलाओं को आगे बढ़ाना किसे अच्छा नहीं लगता ! महिला अधिकारों के प्रबल पुरोधा, भारत के संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भी कहा था कि मैं किसी समाज की स्थिति का आंकलन इस बात से करता हूँ कि उस समाज में महिलाओं की दशा कैसी है? लेकिन इस बिल के पीछे भाजपा, जो कि सामान्य वर्ग की राजनैतिक पार्टी का चेहरा है, की चालाकी छिपी हुई है। वह चालाकी यह कि महिलाओं में अधिकांश पढ़ी-लिखी महिलाएं आज भी ब्राह्मण, बनिया और राजपूत समाज की ही हैं, यानि सवर्ण समाज की ही हैं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाएं आज भी पारिवारिक, सामाजिक और रूढ़िगत परम्पराओं और मजबूरियों के चलते पढ़ नहीं पाती है या उच्च शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाती है। कहना न होगा कि आज भी इन समाजों में महिलाओं की छोड़िये, पुरुषों तक की सीटें कई बार खाली रह जाती हैं, क्योंकि कोरम पूरा नहीं हो पाता है और बाद में यही सीटें सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों से भर दी जाती हैं। बैकलॉग रखा जाता है जो कई-कई बरसों तक नहीं भरा ही जाता है। मेरा स्वयं का उदाहरण है। एक कॉलेज में सन 1997 में अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित प्रवक्ता की भर्ती निकली। लेकिन पर्याप्त मात्रा में फार्म नहीं आ पाने के कारण भर्ती नहीं हो पाई। पुनः 2005 में वही वेकेंसी निकली। मेरे फार्म सहित कुल तीन फार्म आये। परीक्षा के दिन केन्द्रीय सरकार का अवकाश होने के कारण परीक्षा स्थगित कर दी गई। नये सिरे से तीसरी बार 2006 में यही वेकेंसी निकली और उपरोक्त कुल तीन फॉर्म ही आये। एम. टेक होने के कारण अन्तिम रूप से मेरा चयन हुआ।

एक अन्य उदाहरण है। मामला सन 2015 में सरपंचों के चुनावों का है। इस बार सरपंचों के लिए चुनाव आयोग द्वारा शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की गई थी। भादू ग्राम पंचायत (मांडल, भीलवाड़ा) में सरपंच की सीट एसटी (महिला) के लिए रिज़र्व थी। पूरे गाँव में एक भी एसटी महिला चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित शैक्षणिक योग्यता की नहीं मिली। अतः चुनाव ही नहीं हो पाये।। इन हालातों में कैसे कह सकते हैं कि महिला आरक्षण के बिल का फायदा सवर्ण महिलाओं के अलावा अन्य महिलाओं को मिल पायेगा? इस प्रकार के उदाहरण कदम-कदम पर बिखरे पड़े हैं, जिनका सार यही है कि भले ही आरक्षण को लागू हुए दशकों बीत गये और सामान्य वर्ग आरक्षण का कितना ही विरोध करे, आज भी अनेक क्षेत्र ऐसे हैं, जिनमें आरक्षित समाज के लोग पर्याप्त रूप से मौजूद नहीं है, जिससे इन वर्गों की सीटें खाली रह जाती हैं। कारण, इन समाजों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार कम है, पाठशालाओं में जातिगत भेदभाव है, स्कूलों में पर्याप्त सुविधाओं की छोड़िये, साफ-सुथरे टायेंलेट्स और शौचालय तक नहीं हैं। भले ही ये उदाहरण पुराने हों, लेकिन स्थिति में बदलाव नहीं के बराबर है। इन समाजों की आम महिलाओं की बराबरी सामान्य समाज की महिलाओं से करना बड़ी भारी गलती होगी। जब इन वर्गों की सीटें आज भी "उपयुक्त उम्मीदवार नहीं होने के कारण सामान्य वर्ग से भरी गई" लिखकर सामान्य वर्ग से भर दी जाती हैं, तो फिर कैसे आरक्षण और महिला आरक्षण का फायदा मिलेगा ? राजनैतिक क्षेत्र में तो सर्वविदित है कि महिला पंचों, सरपंचों और पार्षदों आदि का काम उनके पति, पिता, भाई. बेटा या ससुर आदि देखते हैं और महिला जनप्रतिनिधि मात्र रबर की मुहर बन कर रह जाती हैं। दलित समाज में स्त्रियों की क्या कहें, पुरुष पंच और सरपंच तक का काम उस क्षेत्र के दबंग या माफिया जो सामान्य वर्ग के या ओबीसी से होते हैं, करते हैं। वास्तविक जनप्रतिनिधि केवल हस्ताक्षर करते हैं या अंगूठा लगाते हैं। ऐसे में क्या सवाल नहीं उठता कि जा हिस्सा इन समाजों की महिलाओं को मिलेगा, उसका उपभोग ये कर पायेंगी या अन्य समाज की महिलाएं करेंगी या पुरुष करेंगे !! यह सर्वविदित है कि आरक्षण किसी की दया या कृपा से नहीं मिला था, बल्कि सदियों तक जिस सोच से इन समुदायों का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनैतिक शोषण हुआ, उसके एवज में मिला था। जरा सोच कर देखिए कि आज यदि कोई बच्चा दसवीं में फेल हो जाता है तो कितना दुख होता है, जबकि मात्र सौ साल पहले इस देश की बहुसंख्यक जनता को पढ़ने, शस्त्र धारण करने और व्यापार करने तक का अधिकार नहीं था !!

इस बिल में एक दलित और आदिवासी महिला के जीवन के अनुभवों को सामान्य वर्ग की महिला के जीवन अनुभवों के समान समझा गया है, जबकि वास्तव में ये अलग-अलग परिभाषित होने चाहिए। क्या किसी कॉलेज की प्रोफेसर महिला और मकान बनाने वाली बेलदार या कुली महिला के अनुभव समान हो सकते हैं? इसी कारण कोटा के भीतर कोटा की मांग का पलड़ा भारी नजर आता है।

हमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, जब इस बिल का लाभ सभी वर्गों की महिलाओं को समान रूप से मिले। लेकिन जब हमें लगे कि यह लाभ मात्र एक वर्ग विशेष (सवर्ण) की महिलाओं को ही मिल सकता है, तो हमें सतर्क हो जाना चाहिए और पुरजोर तरीके से विरोध करना चाहिए। क्या यह बिल सशक्तों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए लाया गया था ?

वंचित समुदाय की महिलाओं की उपस्थिति पंचायतों और स्थानीय निकायों में है, लेकिन क्या दशा है, वो देख चुके हैं। क्या कभी 'प्रधान पत्नी', सरपंच पत्नी या किसी 'पार्षद पत्नी' को इनका काम करते देखा है ?

अतः महिला आरक्षण का समर्थन उसी स्थिति में होना चाहिए, जब 33 प्रतिशत आरक्षण में से नियमानुसार 15 प्रतिशत अनुसूचित जाति की महिलाओं को, 7.5 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को और 27 प्रतिशत ओबीसी की महिलाओं (केन्द्रीय नियमानुसार) मिले। ये आरक्षित पद इन वर्गों की महिलाओं से ही भरे जाएं, शिक्षा का उचित प्रचार प्रसार हो, ताकि बैकलॉग ही न हो और यदि बैकलॉग हो, तो इन वर्गों की महिलाओं से ही उचित समय पर भरे जाएं। तभी महिला सशक्तिकरण की अवधारणा सही साबित होगी।

-डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा

फ़ख़रुद्दीन अली अहमद – भारत के पांचवें राष्ट्रपति

फ़ख़रुद्दीन अली अहमद भारत के पांचवें राष्ट्रपति थे, जिन्होंने 24 अगस्त, 1974 से 11 फरवरी, 1977 तक इस परम गौरवपूर्ण पद पर कार्य किया। वे भारतीय संघ के दूसरे मुस्लिम राष्ट्रपति थे, पहले मुस्लिम राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन थे।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

फ़ख़रुद्दीन अली अहमद का जन्म 13 मई, 1905 को पुरानी दिल्ली के हौज काजी क्षेत्र में एक मध्यमवर्गीय मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनके पिता कर्नल ज़लनूर अली अहमद डॉक्टर थे और असम के प्रथम ऐसे लोकप्रिय चिकित्सक थे, जिससे परिवार का संबंध असम के साथ मज़बूत रहा। प्रारंभिक शिक्षा के लिए उन्होंने उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के सरकारी हाई स्कूल में दाखिला लिया और बाद में दिल्ली के प्रतिष्ठित सेंट स्टीफंस कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद वे वकालत की शिक्षा के लिए इंग्लैंड गए, जहाँ उन्होंने विधि का अध्ययन किया और बार एट लॉ की परीक्षा पास की।

स्वतंत्रता संग्राम और राजनीतिक प्रवेश

फ़ख़रुद्दीन अली अहमद ने 1925 में इंग्लैंड में जवाहरलाल नेहरू से मुलाकात की, जो उनके राजनीतिक जीवन का निर्णायक क्षण बना। नेहरू के प्रगतिशील विचारों से वे गहराई से प्रभावित हुए और 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी के दौरान उन्होंने व्यक्तिगत सत्याग्रह और "भारत छोड़ो आंदोलन" जैसे आंदोलनों में भाग लिया और 1942 में गिरफ्तार होकर लगभग तीन साल तक जेल में रहे। इस दौरान उनकी सामाजिक और राजनीतिक संवेदनशीलता और कर्मठता खूब दिखी।

संसदीय और मंत्री पद का अनुभव

स्वतंत्र भारत में फ़ख़रुद्दीन अली अहमद ने कई राजनीतिक पदों पर कार्य किया। 1952 में वे राज्यसभा के सदस्य चुने गए और बाद में 1967 व 1971 के लोकसभा चुनावों में असम से संसदीय सीट हासिल की। प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री

और इंदिरा गांधी की मंत्रिमंडलों में उन्होंने शिक्षा, खाद्य एवं कृषि, सहकारिता, औद्योगिक विकास तथा कंपनी कानून जैसे महत्वपूर्ण विभागों का सफलतापूर्वक प्रबंध किया। उनकी विवेकपूर्ण और व्यावहारिक नीतियों के कारण उन्हें एक विश्वसनीय और ईमानदार नेता के रूप में पहचान मिली।

राष्ट्रपति पद और आपातकाल

20 अगस्त, 1974 को फ़ख़रुद्दीन अली अहमद भारत के पांचवें राष्ट्रपति चुने गए, जिसके बाद 24 अगस्त, 1974 को उन्होंने पदभार संभाला।

निधन, विरासत और सांस्कृतिक रुचियाँ

फ़ख़रुद्दीन अली अहमद अपने कार्यकाल के दौरान ही 11 फरवरी, 1977 को दिल्ली में दिल का दौरा पड़ने से निधन को प्राप्त हुए। वे राष्ट्रपति के पद पर रहते हुए निधन पाने वाले दूसरे व्यक्ति थे; पहले ऐसे व्यक्ति डॉ. जाकिर हुसैन थे। उनके नाम पर कई संस्थानों और भवनों का नामकरण किया गया है, जैसे असम के बरपेटा में स्थित फ़ख़रुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज, जो उनके राज्य से संबंधित योगदान को याद रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से वे संगीत, ललित कला, कविता और खेलों में गहरी रुचि रखते थे, जिसने उनहें केवल राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि एक बहुमुखी और संवेदनशील व्यक्तित्व के रूप में परिभाषित किया। इस प्रकार, फ़ख़रुद्दीन अली अहमद का जीवन और कार्य भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, संसदीय राजनीति और आपातकाल के दौर से जुड़ा है। उनकी विनम्रता, विवेक और गैर साम्प्रदायिक दृष्टिकोण ने उन्हें भारत के राष्ट्रीय इतिहास में एक विशेष स्थान दिलाया है।

विश्व रक्तचाप दिवस पर विशेष आलेख...

जब इंसान अपने शौक से समझौता करने लगे तो, समझिए जिंदगी की असली दौड़ शुरू हो चुकी है

-आधुनिक जीवन में फुर्सत एक दुर्लभ वस्तु बन चुकी है

-शादाब अली

आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इंसान जितना अधिक सुविधाओं से घिरता जा रहा है, उतना ही अपने लिए समय से दूर होता जा रहा है। तकनीक ने काम आसान किए, संसाधन बढ़ाए और अवसरों के नए दरवाजे खोले, लेकिन इसके साथ जीवन की गति भी इतनी तेज कर दी कि व्यक्ति के पास खुद को जीने का अवसर कम होता गया। आज अधिकांश लोग समय के पीछे भाग रहे हैं, जबकि समय किसी के लिए रुकता नहीं। एक समय था जब शौक जीवन का जरूरी हिस्सा माने जाते थे। कोई संगीत सीखता था, कोई किताबों में खो जाता था, कोई खेल के मैदान में अपनी थकान उतारता था, तो कोई प्रकृति के बीच सुकून ढूंढता था। ये शौक केवल मनोरंजन नहीं थे, बल्कि व्यक्तित्व को संतुलित रखने का माध्यम थे। वे इंसान को काम और जिम्मेदारियों के बीच मानसिक राहत देते थे। लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां बदलती गईं। बचपन की निश्चिंतता युवावस्था की प्रतिस्पर्धा में बदल गई। पढ़ाई में आगे निकलने का दबाव, बेहतर करियर बनाने की होड़, आर्थिक स्थिरता पाने की चिंता और फिर परिवार की जिम्मेदारियां—इन सबने व्यक्ति को इस तरह घेर लिया कि उसके पास अपने लिए समय निकालना कठिन हो गया।

आज नौकरीपेशा वर्ग का बड़ा हिस्सा सुबह घर से निकलता है और देर शाम तक काम की थकान में लौटता है। उसके बाद परिवार, सामाजिक दायित्व और अगले दिन की तैयारी। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति अपने पुराने शौक को याद भी करे, तो उसे लगता है कि यह सब अब "फुर्सत" का विषय है। समस्या यह है कि आधुनिक जीवन में फुर्सत एक दुर्लभ वस्तु बन चुकी है। यह केवल समय प्रबंधन का संकट नहीं, बल्कि जीवनशैली का

संकट भी है। समाज ने सफलता की जो परिभाषा तय की है, उसमें मेहनत, त्याग और उपलब्धियां तो शामिल हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत संतुलन और आत्म संतोष की चर्चा बहुत कम है। व्यक्ति को यह सिखाया जाता है कि जितना अधिक व्यस्त रहोगे, उतने अधिक सफल माने जाओगे। परिणामस्वरूप, लोग अपनी थकान को उपलब्धि और अपनी व्यस्तता को सम्मान समझने लगे हैं।

विडंबना यह है कि जिस सफलता के लिए व्यक्ति खुद को खपा रहा है, वही सफलता कई बार उसे भीतर से खाली कर देती है। बैंक बैलेंस बढ़ जाता है, सामाजिक प्रतिष्ठा मिल जाती है, लेकिन मन का संतोष कहीं पीछे छूट जाता है। क्योंकि इंसान केवल जिम्मेदारियों से संचालित नहीं होता, वह भावनाओं, इच्छाओं और व्यक्तिगत संतुष्टि से भी संचालित होता है। शौक इसी व्यक्तिगत संतुष्टि का आधार हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि हम केवल काम करने के लिए नहीं बने, बल्कि महसूस करने, सीखने, रचने और आनंद लेने के लिए भी बने हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी पसंद की चीजों के लिए समय निकालता है, तो वह अपने भीतर की ऊर्जा को पुनर्जीवित करता है। यही छोटी-छोटी गतिविधियां तनाव कम करती हैं, रचनात्मकता बढ़ाती हैं और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाती हैं।

आज जरूरत इस बात की है कि व्यस्तता को उपलब्धि का एकमात्र पैमाना न माना जाए। यदि व्यक्ति अपने लिए सप्ताह या दिन में कुछ समय भी सुरक्षित रख सके, तो यह उसके जीवन को अधिक संतुलित बना सकता है। शौक के लिए समय निकालना समय की बर्बादी नहीं, बल्कि स्वयं में निवेश है। इसमें संदेह नहीं है कि जब शौक के लिए समय न बचे, तो यह इस बात का संकेत है कि जिंदगी अब जिम्मेदारियों के गंभीर मोड़ पर पहुंच चुकी है।

लेकिन इस गंभीरता के बीच यदि व्यक्ति खुद को ही खो दे, तो यह सफलता अधूरी रह जाएगी। जिंदगी का अर्थ केवल मंजिल तक पहुंचना नहीं, बल्कि रास्ते को महसूस करते हुए चलना भी है। इसलिए जिम्मेदारियों की दौड़ जरूरी है, लेकिन उस दौड़ में अपने भीतर के उस व्यक्ति को बचाए रखना उससे भी ज्यादा जरूरी है, जिसे कभी एक किताब, एक गीत, एक सफर या किसी छोटे-से शौक में सच्ची खुशी मिलती थी। आखिरकार, जीवन केवल जीवित रहने का नाम नहीं, बल्कि अपने हिस्से की खुशी और संतुलन के साथ जीने की कला है। और जो व्यक्ति जिम्मेदारियों के बीच भी अपने शौक को जिंदा रखता है, वही वास्तव में जिंदगी को केवल काटता नहीं, बल्कि जीता है।

राजस्थान में 3,540 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग ने टीचिंग एसोसिएट्स (Raj-CES) 2026 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती अभियान के जरिए 3,540 पद भरे जाएंगे। 5 मई को अप्लाई लिंक एक्टिव होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। यह भर्ती कॉन्ट्रैक्चुअसल बेसिस पर की जाएगी।

आवेदन शुरू :
05 मई से 03 जून 2026 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
NET/SLET/पीएचडी की डिग्री।
एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
फीस :
जनरल, ओबीसी : 600 रुपए
ओबीसी (NCL), ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी : 400 रुपए
पीडब्ल्यूडी : 400 रुपए
सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम के बेसिस पर
सैलरी :
28,850 रुपए प्रतिमाह
मिनिमम क्वालिफाइंग मार्क्स :
जनरल कैटेगरी : हर पेपर के लिए 36%
एससी, एसटी : हर पेपर में 5% का रिलैक्सेशन दिया जाएगा।
ऐसे करें आवेदन :
एसएसओ पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाएं।
अपनी SSO ID और पासवर्ड से लॉग इन करें।
Recruitment Portal पर जाकर Teaching Associate Apply Link पर क्लिक करें।
यदि नए यूजर है तो वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) पूरा करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।

UPSSSC ने 170 पदों पर निकाली भर्ती, फीस 25 रुपए

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 170 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
09 जून से 29 जून 2026 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की 12वीं या सरकार द्वारा उसके समकक्ष अन्य परीक्षा पास की हो।
वे ही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने पीईटी - 2025 एग्जाम पास की हो।
शारीरिक योग्यता :
पुरुषों की न्यूनतम ऊंचाई : 167.6 सेमी
सामान्य वर्ग की महिलाओं की न्यूनतम ऊंचाई : 160 सेमी
अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए न्यूनतम ऊंचाई : 152 सेमी
पुरुषों का सीना : न्यूनतम 84 सेमी (फुलाने पर) और रिजर्व कैटेगरी के लिए 82 सेंटीमीटर फुलाने पर हो।
एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।
सिलेक्शन प्रोसेस :
पीईटी स्कोर के बेसिस पर
शॉर्टलिस्टिंग
रिटन एग्जाम
फिजिकल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम
फीस :
सभी कैटेगरी के लिए : 25 रुपए
सैलरी:
21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर "Live Advertisement" सेक्शन में संबंधित विज्ञापन पर क्लिक करें।
PET-2025 रजिस्ट्रेशन नंबर से लॉगिन करें।
आवेदन फॉर्म में जरूरी जानकारी भरें।
फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

76. 'रॉलेट एक्ट' कब पारित हुआ?
(A) 1917 ई. (B) 1918 ई.
(C) 1919 ई. (D) 1920 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1919 के रॉलेट एक्ट ने बिना मुकदमे के गिरफ्तारी की अनुमति दी जिससे देशभर में विरोध हुआ।
77. 'जलियांवाला बाग हत्याकांड' कब हुआ था?
(A) 1917 ई. (B) 1919 ई.
(C) 1920 ई. (D) 1921 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में जनरल डायर ने निहत्थे लोगों पर गोली चलवाई।
78. 'खिलाफत आंदोलन' का उद्देश्य क्या था?
(A) ब्रिटिश शासन समाप्त करना
(B) तुर्की खलीफा की रक्षा करना
(C) स्वराज प्राप्त करना
(D) हिन्दू-मुस्लिम एकता
उत्तर: (B)
व्याख्या: खिलाफत आंदोलन का उद्देश्य प्रथम विश्व युद्ध के बाद तुर्की खलीफा के पद को बनाए रखना था।
79. 'असहयोग आंदोलन' कब आरंभ हुआ?
(A) 1919 ई. (B) 1920 ई.
(C) 1921 ई. (D) 1922 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: गांधीजी ने 1920 में असहयोग आंदोलन शुरू किया जिसमें सरकारी संस्थाओं के बहिष्कार का आह्वान किया गया।
80. असहयोग आंदोलन क्यों स्थगित किया गया?
(A) सरकारी दमन
(B) असफलता
(C) चौरी-चौरा कांड
(D) गांधीजी की गिरफ्तारी
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1922 में चौरी-चौरा में हिंसा होने पर गांधीजी ने आंदोलन स्थगित कर दिया।
81. 'स्वराज पार्टी' की स्थापना कब हुई?
(A) 1920 ई. (B) 1922 ई.
(C) 1923 ई. (D) 1925 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1923 में मोतीलाल नेहरू और चित्तरंजन दास ने 'स्वराज पार्टी' की स्थापना की।
82. 'साइमन कमीशन' भारत कब आया?
(A) 1925 ई. (B) 1927 ई.
(C) 1928 ई. (D) 1930 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1928 में साइमन कमीशन भारत आया, जिसके सभी सदस्य अंग्रेज थे, इस कारण इसका बहिष्कार हुआ।
83. 'नेहरू रिपोर्ट' कब प्रस्तुत की गई?
(A) 1927 ई. (B) 1928 ई.
(C) 1929 ई. (D) 1930 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1928 में मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में नेहरू रिपोर्ट तैयार की गई जिसमें स्वराज की परिकल्पना थी।
84. 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव कब पारित हुआ?
(A) 1928 ई. (B) 1929 ई.
(C) 1930 ई. (D) 1931 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1929 के लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव पारित किया गया।
85. 'नमक सत्याग्रह' की शुरुआत कब हुई?
(A) 1929 ई. (B) 1930 ई.
(C) 1931 ई. (D) 1932 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 12 मार्च 1930 को गांधीजी ने साबरमती से दांडी तक नमक सत्याग्रह यात्रा शुरू की।
86. भारत में अंग्रेजों का पहला कारखाना कहाँ स्थापित हुआ था?
(A) सूरत (B) मद्रास
(C) बंबई (D) कलकत्ता
उत्तर: (A)
व्याख्या: अंग्रेजों ने 1613 ई. में सूरत में अपना पहला कारखाना स्थापित किया।
87. प्लासी का युद्ध कब हुआ था?
(A) 1757 ई. (B) 1761 ई.
(C) 1764 ई. (D) 1782 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1757 ई. में प्लासी के युद्ध में रॉबर्ट क्लाइव ने सिराजुद्दौला को पराजित किया, जिससे बंगाल पर अंग्रेजों का अधिकार स्थापित हुआ।
88. बक्सर का युद्ध किस वर्ष हुआ?
(A) 1757 ई. (B) 1761 ई.
(C) 1764 ई. (D) 1773 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1764 ई. में बक्सर का युद्ध अंग्रेजों और तीन भारतीय शासकों (शुजा-उद-दौला, मीर कासिम, शाह आलम द्वितीय) के बीच हुआ, जिसमें अंग्रेज विजयी हुए।
89. 'दीवानी अधिकार' किसे प्राप्त हुआ था?
(A) रॉबर्ट क्लाइव
(B) वॉरेन हेस्टिंग्स
(C) डलहौजी
(D) लॉर्ड कॉर्नवालिस
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1765 ई. में मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय ने रॉबर्ट क्लाइव को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी सौंपी।
90. 'रेग्युलेटिंग एक्ट' कब पारित हुआ?
(A) 1773 ई. (B) 1784 ई.
(C) 1793 ई. (D) 1813 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1773 ई. का रेग्युलेटिंग एक्ट भारत में ब्रिटिश प्रशासन के नियंत्रण के लिए पहला क़ानून था।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

रेलवे में 1644 पदों पर भर्ती, बिना एग्जाम, इंटरव्यू के सिलेक्शन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) में अप्रेंटिसशिप के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अप्रेंटिस के 1644 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस भर्ती की जॉब लोकेशन रायपुर, छत्तीसगढ़ होगी।

आवेदन शुरू :
05 मई से 04 जून 2026 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास, आईटीआई की डिग्री।
एज लिमिट :
अधिकतम : 24 साल
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट
सैलरी :
रेलवे अप्रेंटिस नियमों के अनुसार
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.apprenticeshipindia.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर Recruitment सेक्शन पर क्लिक करें।
अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।
जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
आवेदन फॉर्म फाइनल सब्मिट कर दें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

इंडियन एयरफोर्स में 47 पदों पर भर्ती

इंडियन एयर फोर्स ने ग्रुप सी सिविलियन के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianairforce.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
02 मई से 31 मई 2026 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
लोअर डिवीजन क्लर्क : 12वीं के साथ टाइपिंग
हिंदी टाइपिस्ट : 12वीं के साथ टाइपिंग
ड्राइवर : 10वीं पास, हैवी मोटर व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस, 2 साल तक का अनुभव
एज लिमिट :
न्यूतम : 18 साल
अधिकतम : 25 साल
सैलरी :
लेवल - 2 के अनुसार
सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम
ऐसे करें आवेदन :
इंडियन एयरफोर्स की ऑफिशियल वेबसाइट indianairforce.nic.in पर जाएं।
होम पेज पर मौजूद रिक्रूटमेंट सेक्शन पर क्लिक करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

NPCIL में 255 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी, फीस 100 रुपए

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, कुडानकुलम न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट में 255 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट www.npcil.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
08 जून से 29 जून 2026 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
प्लांट ऑपरेटर :
10वीं या 12वीं कम से कम 50% मार्क्स के साथ साइंस स्ट्रीम में पास की हो
10वीं तक इंग्लिश एक सब्जेक्ट के तौर पर पढ़ा हो।
इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, वेल्डर :
10वीं में न्यूनतम 40% अंकों के साथ साइंस और मैथ्स की पढ़ाई की हो
2 साल का आईटीआई सर्टिफिकेट हो
10वीं तक इंग्लिश एक सब्जेक्ट के तौर पर पढ़ा हो।
शारीरिक योग्यता :
न्यूनतम हाइट: 160 सेमी
न्यूनतम वेट: 45.5 किलो
मेडिकली फिट होने पर शारीरिक योग्यता में छूट दी जा सकती है।
एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 24 साल
ओबीसी : 3 साल की छूट
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
स्टाइपेंड :
पहले साल का स्टाइपेंड : 20,000 रुपए प्रति माह
दूसरे साल का स्टाइपेंड : 22,000 रुपए प्रति माह
बुक अलाउंस : 3,000 रुपए (एक बार)
ट्रेनिंग के बाद सैलरी : 21,700 रुपए प्रतिमाह
टोटल सैलरी : 34,720 रुपए प्रतिमाह
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट npcilcareers.co.in पर जाएं।
करियर बटन पर क्लिक करने के बाद Registration Form लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स के साथ रजिस्ट्रेशन करें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

SBI में 100 पदों पर निकली भर्ती, सैलरी 93 हजार से ज्यादा

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) में स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट recruitment.sbi.bank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 2 जून तय की गई है। यह भर्ती रेग्यूलर बेसिस पर की जाएगी।

आवेदन शुरू :
13 मई से 02 जून 2026 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री।
उम्मीदवारों के पास IIBF द्वारा जारी फॉरेक्स ऑपरेशंस का सर्टिफिकेट होना चाहिए।
कम से कम 2 साल का वर्क एक्सपीरियंस।
सैलरी :
64,820 - 93,960 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे।
एज लिमिट :
न्यूनतम : 23 साल
अधिकतम : 32 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम आयु में छूट दी जाएगी।
सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग
इंटरव्यू
फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 750 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी : निःशुल्क
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट recruitment.sbi.bank.in पर जाएं।
"CRPD/SCO/2026-27/05" विज्ञापन लिंक खोलें।
"Apply Online" विकल्प पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।
नाम, पासवर्ड के साथ लॉग इन करें।
फॉर्म में पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर और अन्य डॉक्यूमेंट्स अटैच करें।
फीस का भुगतान करके फॉर्म प्रिव्यू और सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

रेलवे में ALP की 11,127 भर्ती, 15 मई से आवेदन शुरू

रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने असिस्टेंट लोको पायलट के 11,127 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार 15 मई से आवेदन शुरू होने के बाद अप्लाई कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
15 मई से 14 जून 2026 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड/ संस्थान से 10वीं के साथ आईटीआई की डिग्री।
या 10वीं के साथ इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या
इंजीनियरिंग डिग्री।
एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 30 साल
ओबीसी : 3 साल की छूट
एससी/ एसटी : 5 साल की छूट
फीस :
अन्य सभी : 500 रुपए
एससी/ एसटी/ एक्स सर्विसमैन/ ट्रांसजेंडर/ ईबीसी : 250 रुपए
सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी - 1
सीबीटी - 2
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफेशन
सैलरी :
19,900 रुपए प्रतिमाह
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 821 पदों पर भर्ती

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यानी एसबीआई (SBI) में 800 से अधिक पदों पर भर्तियां निकली हैं। ये भर्तियां संविदा यानी कॉन्ट्रैक्ट के बेसिस पर की जाएंगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट sbi.bank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। एसबीआई के रिटायर्ड ऑफिसर्स को ही इस भर्ती के लिए चुना जाएगा।

आवेदन शुरू :
14 मई से 11 जून 2026 तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
एसबीआई से खासतौर से 60 साल की उम्र में रिटायर होना चाहिए।
अधिकारियों को MMGS-III, SMGS-IV/V, या TEGS-VI की सैलरी में रिटायर होना चाहिए।
रिटायर ऑफिसर के पास क्रेडिट, ऑडिट या फॉरेक्स यूनिट में काम करने का एक्सपीरियंस होना चाहिए।
एज लिमिट :
अधिकतम 63 साल
नियुक्ति अधिकारी के 65 साल की उम्र होने तक जारी रह सकती है।
सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग
इंटरव्यू
जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
पिछले 10 साल की एक्सपीरियंस डिटेल्स
आईडी प्रूफ
डेट ऑफ बर्थ प्रूफ
पीपीओ कॉपी
हाल में लिया गया पासपार्ट साइज फोटोग्राफ
सिग्नेचर
जाति/ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट
अन्य सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स
ऐसे करें आवेदन :
एसबीआई की करियर वेबसाइट www.sbi.bank.in पर जाएं।
ऑनलाइन फॉर्म भरें।

गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचाएगी छाछ

जानें सेहत के लिए कितनी फायदेमंद और कितना है उचित सेवन

गर्मी का मौसम आते ही शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ने लगती है। तेज धूप और लगातार पसीना निकलने की वजह से शरीर कमजोर महसूस करने लगता है। ऐसे मौसम में खानपान का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। गर्मियों में छाछ एक ऐसा प्राकृतिक पेय है, जो शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी देता है। भारतीय घरों में लंबे समय से छाछ का सेवन किया जाता रहा है। यह दही से तैयार की जाती है और इसकी तासीर ठंडी मानी जाती है। यही वजह है कि गर्मी में छाछ पीने की सलाह दी जाती है। छाछ शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है और गर्मी से होने वाली कई समस्याओं से बचाती है।

डिहाइड्रेशन से बचाने में मददगार
गर्मी में शरीर से पसीने के जरिए पानी और जरूरी मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं। इससे थकान, कमजोरी, चक्कर और सिरदर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं। छाछ शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद करती है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं। एक गिलास ठंडी छाछ गर्मी में तुरंत राहत पहुंचाती है। खासकर धूप से आने के बाद छाछ पीना शरीर को तरोताजा महसूस कराता है।

पाचन को बनाती है बेहतर
छाछ पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स यानी अच्छे बैक्टीरिया पेट को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक होती है। खाना खाने के बाद छाछ पीने से भोजन जल्दी पचता है और पेट हल्का महसूस होता है। इसलिए कई लोग दोपहर के भोजन में छाछ को जरूर शामिल करते हैं।

शरीर को रखती है ठंडा
छाछ की तासीर ठंडी होती है, जिससे यह शरीर के तापमान को संतुलित रखने में मदद करती है। तेज गर्मी और लू से बचाव के लिए छाछ काफी लाभकारी मानी जाती है। अगर छाछ में भुना जीरा, काला नमक और पुदीना मिलाकर पिया जाए तो इसके फायदे और बढ़ जाते हैं। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ स्वाद भी बढ़ाती है।

हड्डियों और त्वचा के लिए भी फायदेमंद
छाछ में कैल्शियम अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें मौजूद प्रोटीन शरीर को ताकत देने का काम करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, छाछ त्वचा के लिए भी फायदेमंद होती है। यह शरीर को अंदर से ठंडक देती है, जिससे त्वचा पर गर्मी का असर कम होता है। अगर छाछ में करी पत्ता मिलाकर सेवन किया जाए तो यह त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

कितनी मात्रा में पीनी चाहिए छाछ?
हालांकि छाछ सेहत के लिए फायदेमंद है, लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा सेवन नुकसान भी पहुंचा सकता है। अधिक मात्रा में छाछ पीने से कुछ लोगों को गैस, अपच या पेट फूलने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, दिन में 1 से 2 गिलास छाछ पीना पर्याप्त माना जाता है। सीमित मात्रा में इसका सेवन शरीर को ठंडक और जरूरी पोषण प्रदान करता है। गर्मियों में छाछ एक हेल्दी और प्राकृतिक पेय है, जो शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने, पाचन सुधारने और गर्मी से राहत दिलाने में मदद करती है। सही मात्रा में छाछ का सेवन शरीर को स्वस्थ और तरोताजा बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकता है।

UPSC की तैयारी कैसे करें? जानिए कौन-सी पढ़ाई है जरूरी

भारत की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शामिल Union Public Service Commission यानी UPSC सिविल सेवा परीक्षा लाखों युवाओं का सपना होती है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र IAS, IPS और अन्य बड़े प्रशासनिक पदों पर जाने के लिए इस परीक्षा में शामिल होते हैं। लेकिन UPSC की तैयारी केवल ज्यादा पढ़ाई करने से नहीं, बल्कि सही दिशा और सही विषयों की समझ से सफल होती है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि UPSC की तैयारी के लिए कौन-सी पढ़ाई सबसे ज्यादा जरूरी होती है।

सबसे पहले परीक्षा का पैटर्न समझें
UPSC की परीक्षा तीन चरणों में होती है— प्रीलिम्स, मेंस और इंटरव्यू। प्रीलिम्स में सामान्य अध्ययन और CSAT पूछा जाता है। मेंस में गहराई से लिखित उत्तर देने होते हैं। इसलिए तैयारी की शुरुआत परीक्षा के सिलेबस और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों को समझने से करनी चाहिए।

NCERT की पढ़ाई बेहद जरूरी
UPSC की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए NCERT किताबें सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। कक्षा 6 से 12 तक की इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और विज्ञान की किताबें पढ़ना जरूरी होता है। इन किताबों से बेस मजबूत होता है और विषयों को समझना आसान हो जाता है।

इन विषयों पर खास ध्यान देना जरूरी
1. इतिहास (History)
भारत का प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास UPSC में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान निर्माण से जुड़े विषयों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।
2. भूगोल (Geography)
भारत और विश्व का भूगोल, जलवायु, नदियां, कृषि और पर्यावरण से जुड़े प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं। मैप के साथ पढ़ाई करना फायदेमंद रहता है।
3. राजनीति विज्ञान (Polity)
भारतीय संविधान, संसद, राष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट और केंद्र-राज्य संबंध जैसे विषय UPSC के लिए बहुत जरूरी हैं। संविधान की अच्छी समझ होना बेहद महत्वपूर्ण है।
4. अर्थव्यवस्था (Economy)
देश की अर्थव्यवस्था, बजट, बैंकिंग, महंगाई, जीडीपी और सरकारी योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए। रोज अखबार पढ़ने से यह विषय मजबूत होता है।
5. विज्ञान और तकनीक
बेसिक साइंस के साथ-साथ नई टेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष, डिजिटल इंडिया और वैज्ञानिक उपलब्धियों पर भी ध्यान देना चाहिए।
6. करंट अफेयर्स
UPSC में करंट अफेयर्स की भूमिका सबसे अहम होती है। रोज अखबार पढ़ना, न्यूज देखना और महत्वपूर्ण घटनाओं के नोट्स बनाना जरूरी है।

उत्तर लिखने की प्रैक्टिस जरूरी
मेंस परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए Answer Writing Practice बेहद जरूरी है। रोजाना किसी विषय पर 150 से 250 शब्दों में उत्तर लिखने का अभ्यास करना चाहिए। इससे सोचने और लिखने की क्षमता बेहतर होती है।

कौन-सी डिग्री सबसे अच्छी मानी जाती है?
UPSC के लिए कोई विशेष डिग्री जरूरी नहीं है। कोई भी छात्र ग्रेजुएशन के बाद परीक्षा दे सकता है। हालांकि इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन जैसे विषय UPSC में काफी मददगार माने जाते हैं।

सही रणनीति और अनुशासन जरूरी
UPSC की तैयारी लंबा सफर है। इसमें धैर्य, अनुशासन और लगातार मेहनत की जरूरत होती है। रोजाना पढ़ाई का टाइम टेबल बनाना, रिवीजन करना और मॉक टेस्ट देना सफलता के लिए बेहद जरूरी है। UPSC की तैयारी के लिए सही विषयों की समझ, नियमित पढ़ाई और करंट अफेयर्स पर मजबूत पकड़ जरूरी होती है। अगर छात्र सही दिशा में मेहनत करें और लगातार अभ्यास करते रहें, तो इस कठिन

अस्पताल में प्रसूताओं की मौत पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का संज्ञान

राजस्थान के मुख्य सचिव से 4 सप्ताह में जवाब तलब

कोटा (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने कोटा के सरकारी अस्पताल में प्रसव के बाद महिलाओ की मृत्यु की घटना का गंभीर संज्ञान लिया है। आयोग ने मानवाधिकार अधिवक्ता अन्सार इन्दौरी की शिकायत पर केस नंबर 958/20/21/2026 दर्ज कर राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव से विस्तृत कृत कार्रवाई रिपोर्ट तलब की है। एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने बताया कि पीड़ित परिवारों द्वारा लगाए गए चिकित्सीय लापरवाही के आरोपों और समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के आधार पर भेजी गई शिकायत पर संज्ञान लेकर कार्रवाई शुरू की है। प्रकरण में परिजनों ने शव लेने से इनकार कर अस्पताल में धरना दिया था। उन्होंने बताया कि आयोग ने

दिनांक 15.05.2026 को आदेश जारी कर राजस्थान के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया है। आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए चार सप्ताह के भीतर तथ्यात्मक रिपोर्ट एवं की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। उन्होंने बताया कि आयोग ने विशेष रूप से जिन बिंदुओं पर जवाब मांगा है उनमें प्रसूता की मृत्यु के कारण एवं पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट,अस्पताल में डॉक्टरों/स्टाफ की उपलब्धता एवं ड्यूटी रोस्टर, मौतों के बाद अस्पताल प्रशासन द्वारा उठाए गए कदम,पीड़ित परिवारों को दी गई सहायता/मुआवजे की स्थिति और भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रस्तावित व्यवस्था शामिल हैं। अपने बयान में अन्सार इन्दौरी ने कहा कि प्रसूताओं की मृत्यु ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों की लापरवाही से मौतें हुईं। यह घटना अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित मातृत्व एवं जीवन के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि NHRC का संज्ञान पीड़ित परिवारों के लिए न्याय की उम्मीद जगाता है। राज्य सरकार को अब पारदर्शिता के साथ जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करनी होगी।

देश में स्वच्छ लोकतान्त्रिक, संवैधानिक और निष्पक्ष राजनीति के लिए हर सेक्युलर पार्टी को एकजुट होने की ज़रूरत है - एम. के. फैज़ी

टोंक (रॉयल पत्रिका) । सौशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का लीडर्स कन्क्लेव प्रोग्राम 17 मई 2026 रविवार को टोंक में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश एवं ज़िला स्तरीय पदाधिकारियों ने प्रतिनिधियों के रूप में भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम के फैज़ी ने उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में लोकतंत्र की छवि बहुत खराब हो चुकी है, संविधान को दर किनार कर आम वर्ग के नागरिकों के संवेधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है, चुनाव आयोग की भूमिका स्पष्ट नहीं है, सरकारी एजेंसीज़ का दुरूपयोग विपक्ष को दबाने के लिए किया जा रहा है। एम के फैज़ी ने इस भ्रष्ट राजनीति से सामना करने के लिए देश की सभी धर्म निरपेक्ष पार्टियों को एक साथ आ कर स्वच्छ लोकतान्त्रिक राजनीति को स्थापित करना होगा। इसके लिए एसडीपीआई को अपने पार्टी के संगठन को मज़बूत करने के लिए हर ज़िले की बूथ कमेटियों का गठन कर अपनी राजनैतिक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए मेहनत करें। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारें बदलने की भावना के साथ एसडीपीआई के जन आंदोलनों को कुचल कर लोगों को न्याय दिलाने से रोकना चाहतीं हैं लेकिन हमारी पार्टी अपनी विचारधारा

के साथ देश के हर वर्ग को साथ ले कर संघर्ष करती आगे बड़ रही है। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सीता राम खोईवाल ने सामाजिक न्याय पर जोर दिया राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट डी एस बिंद्रा ने कार्यकर्ताओं को आमजन के काम आने व पार्टी के बारे मे लोगों को ज्यादा से ज्यादा परिचय करवाकर चुनावों में विजय दिलवानी है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय महासचिव रियाज़ फेरेंगेपेट ने कार्यकर्ताओं को चुनाव मेनेजमेंट बूथ मेनेजमेंट को मजबूत करवाने के साथ किया। कार्यक्रम की शुरुआत राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन ने करते सभी ज़िला पदाधिकारियों से आगामी निकाय चुनावों में ज़्यादा से ज़्यादा भाग ले कर जीतने का आहवान किया। स्वागत भाषण प्रदेश महासचिव अब्दुल हक ने तथा संचालन नदीम अख्तर ने किया, अंत में टोंक ज़िला अध्यक्ष अब्दुल लतीफ़ ने सभी आगंतुको का आभार व्यक्त किया। इस से पूर्व टोंक ज़िला कमेटी पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय नेताओं का घंटाघर एवं काफिला में फूल मालाओं से ज़ोरदार स्वागत किया।

इमरान प्रतापगढ़ी की अध्यक्षता में हुई बैठक में इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद ने संगठन विस्तार पर दिया जोर

कोटा (रॉयल पत्रिका) । सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के राष्ट्रीय समन्वयक, अनुशासनात्मक समिति के सदस्य एवं गुजरात प्रदेश प्रभारी इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद के निजी सचिव द्वारा जारी वक्तव्य में बताया गया कि 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों के पश्चात इंदिरा भवन, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एआईसीसी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने की। बैठक में विभिन्न राज्यों के चेयरपर्सन, राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं संगठन के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान विभाग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों की चुनावी क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका की सराहना की गई। पर्यवेक्षकों ने अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों में प्रभावी

उपस्थिति दर्ज कराते हुए पार्टी संगठन एवं अधिकृत प्रत्याशियों को मजबूती प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अल्पसंख्यक विभाग को और अधिक सशक्त, प्रभावी एवं जनसरोकारों से जोड़ने के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। साथ ही आगामी राजनीतिक रणनीतियों, बूथ एवं जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी, संगठन विस्तार तथा जनसंपर्क अभियान को गति देने पर विशेष मंथन किया गया। इस अवसर पर संगठन की एकजुटता, अनुशासन एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को आगामी समय में और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया गया।

पठान वेलफेयर सोसाइटी द्वारा ठंडे पानी के प्याऊ का उद्घाटन

बारां (रॉयल पत्रिका) । पठान वेलफेयर सोसाइटी बारां के तत्वावधान में रविवार को प्याऊ का शुभारंभ सोसाइटी के अध्यक्ष मोहम्मद इलियास पठान ने रिबन काटकर किया। सोसायटी के प्रवक्ता पार्षद जाकिर खान ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों ओर आमजन की सुविधा के लिए ठंडे पानी के कैम्पर की व्यवस्था की गई। शहर के व्यस्ततम चौराहा होने की वजह से अंजुमन चौराहे पर बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती हैं। इसी लिए पठान वेलफेयर सोसाइटी के सदर मोहम्मद इलियास पठान, सेकेट्री मन्नू पठान ओर खजांची साजिद खान की प्रेरणा से इस ठंडे पानी के प्याऊ की शुरुआत की गई है जो पूरी गर्मी में लोगो को ठंडा पानी मुहैया करवाती रहेगी। उद्घाटन समारोह में सदर मोहम्मद इलियास पठान, सेकेट्री मन्नू पठान, खजांची साजिद खान, एडवोकेट गफ्फार खान, जुगनू पठान, राजू खान बर्तन वाले, शेखू खान, हसन खान, मुमताज मास्टर, इशरत खान, रानू पठान, अशफाक खान, शाहरुख पठान, मतीन खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर मुकुंद असावा की पहल पर 'दृश्यमान स्वच्छता अभियान' शुरू

-231 ग्राम पंचायतों में 2 दिवसीय विशेष सफाई अभियान

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कलेक्टर मुकुंद असावा की विशेष पहल पर दिनांक 17.05.2026 से जिले में 'दृश्यमान स्वच्छता अभियान' के तहत 2 दिवसीय विशेष सफाई अभियान प्रारंभ किया गया। अभियान के तहत जिले की 231 ग्राम पंचायतों में चिन्हित स्थानों पर सुबह 6 बजे से ही संसाधन एवं कार्मिकों के साथ सफाई कार्य शुरू किया गया। चिन्हित स्थानों में सड़क के किनारे, पार्क, सार्वजनिक स्थान, चौराहे एवं गांवों के आम रास्ते शामिल हैं। सफाई कार्य रात्रि 12 बजे तक निरंतर जारी रहेगा। अभियान के प्रथम दिन जिले की 8 पंचायत समितियों में 635 स्थानों को चिन्हित कर गांवों के आम रास्तों पर लगे पुराने कचरे और लेगेसी वेस्ट का उचित

निस्तारण किया गया। जिला परिषद बारां के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा पूर्व में सभी ग्राम पंचायतों को अतिरिक्त श्रमिक, जेसीबी मशीन एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों व कर्मचारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था बनाए रखने तथा भविष्य में कचरे का समुचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें खुले में कचरा न डालने हेतु जागरूक किया गया।

कांग्रेस महासचिव बनने पर पूर्व उपसभापति अब्दुल गनी का किया स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) । हाल ही में जारी हुई जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारणी में नगर परिषद बारां के पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी को जिला महासचिव बनाया गया है, जिससे जिले भर में उनके शुभचिंतकों ओर कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है, बुधवार 13 मई को शहर के अधिवक्ता खलील खान गोरी द्वारा निजी आवास पर हाजी अब्दुल गनी का माला ओर पगड़ी पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया गया, वहीं गुरुवार 14 मई को मुस्लिम छात्र संगठन के पूर्व जिलाध्यक्ष मारूफ लाला के आवास पर मारूफ लाला, कलाम स्टोन ओर उनकी पूरी टीम द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व जिला उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, अशरफ देशवाली, अधिवक्ता असलम

भारती, डॉ मुश्ताक अहमद अंसारी, अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश कॉर्डिनेटर हाजी नासिर मिर्ज़ा, पूर्व अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी, बुन्दु शाह, समाजसेवी शेख बहादुर, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, निवर्तमान पार्षद जाकिर खान, निवर्तमान पार्षद शरीफ रंगरेज, शायर रईस फैजी, मुन्ना मास्टर, अनवर अंसारी, अकील पठान, कलाम खान, अकील शादाब, अरशद इकबाल, सोनू पठान, बॉबी राईन, सिराज खान, मुन्ना भाई कनापुर, कालू शिकारी, कदीर मिर्ज़ा, पिंटू पेंटर, शब्बीर बोहरा, सद्दाम लाला, फिरोज शाह, भूरिया, शाहरुख शाह सहित कई लोग मौजूद रहे।

मेधावी विद्यार्थियों एवं चयनित अभ्यर्थियों का हुआ सम्मान

संजय रैसवाल

बांदीकुई (रॉयल पत्रिका)। दौसा जिले के बांदीकुई क्षेत्र में डॉ. बी.आर. अंबेडकर शिक्षा समिति द्वारा बैरवा प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं विभिन्न राजकीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान किया गया। समारोह में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 65 मेधावी विद्यार्थियों तथा विभिन्न राजकीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एसीबीईओ रमेश बैरवा द्वारा समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने इस कार्यक्रम के उद्देश्य एवं समाज में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का प्रभावी एवं आकर्षक मंच संचालन दया राम बैरवा व्याख्याता द्वारा किया गया। इस अवसर बाबूलाल बैरवा अध्यापक द्वारा भीम वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को बाबा साहेब के विचारों और उनके संघर्षपूर्ण जीवन से भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार बैरवा, आचार्य, राजकीय महाविद्यालय, बांदीकुई रहे। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में डॉ. बैरवा ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" के संदेश को जीवन में अपनाने पर बल दिया। समारोह के दौरान

सभी सम्मानित विद्यार्थियों एवं चयनित अभ्यर्थियों प्रमाण-पत्र, प्रतीक चिन्ह एवं उपरना पहनाकर अंबेडकर शिक्षा समिति, बांदीकुई द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही बालिकाओं को 500 रुपए नकद प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में 250 से अधिक विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। पूरे समारोह के दौरान शिक्षा, प्रेरणा और सामाजिक एकता का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भामाशाह प्रहलाद धवन, हरिचंद नागरवाल, चन्द्रभान बैरवा, डॉ. रणजीत बैरवा ई-साइंटिस्ट, धन्नालाल बैरवा, भगवान सहाय बैरवा चीफ इंजीनियर,जगन्नाथ बैरवा, टीकाराम बैरवा, सीताराम बैरवा, शिवदयाल बैरवा तथा प्रोफेसर झब्बूराम बैरवा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों बालूराम बैरवा, डॉ.मनीष कुंद्रा, नरेन्द्र बैरवा, धनश्याम बैरवा, सुनील बैरवा, डॉ. बी के बंशीवाल, सीताराम बैरवा, रामस्वरूप बैरवा, डॉ. नरेन्द्र बैरवा, लक्ष्मण, फुलचन्द बैरवा, सुरेश, संजय बैरवा dy CTI, कैलाश मेहरा, उमेश भैरवाल दिलीप मेहरा एवं संस्था डॉ. भीम राव अम्बेडकर शिक्षा समिति बांदीकुई के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

शहर में जेसीबी से हटाया कचरा

-70 ट्रॉली डम्पिंग यार्ड भेजी गई

बारां (रॉयल पत्रिका)। आगामी बरसात के मौसम में शहरवासियों को जलभराव और गंदगी की समस्या से राहत देने के लिए जिला प्रशासन और नगर परिषद ने संयुक्त रूप से विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया है। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देश पर शहर के विभिन्न हिस्सों में सघन सफाई अभियान चलाया गया। अभियान की कमान नगर परिषद के अधिशाषी अभियन्ता भुवनेश मीणा ने संभाली। अभियान की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल ने स्वयं मौके पर पहुंचकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। सफाई के दौरान नगर परिषद की जेसीबी मशीनों से नालों में फंसी प्लास्टिक थैलियां, झाड़ियां और मलबा निकाला गया। तत्काल निस्तारण के लिए मौके पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियां तैनात रहीं, जिनसे करीब 70 ट्रॉली कचरा नियाणा स्थित डम्पिंग यार्ड भेजा गया।

इन स्थानों पर हुई विशेष सफाई

गजनपुरा, हनुमान मंदिर परिसर, कोटा रोड, आरओबी के नीचे, संस्कृत स्कूल के आसपास, खजूरपुरा तिराहा, प्रिया हॉस्पिटल के पास, धानमंडी गेट, मांगरोल बायपास मंडी गेट के पीछे, पवन मेटल के सामने मांगरोल रोड, मेला ग्राउंड टंकी क्षेत्र, भूतेश्वर मंदिर परिसर, अटरू रोड, अम्बेडकर सर्किल, चारमूर्ति सर्किल, 'आई लव बारां' सेल्फी पॉइंट के पीछे, सहकार भवन, नगर परिषद कार्यालय परिसर, झालावाड़ रोड, मेडिकल कॉलेज के पास, मेलखेड़ी रोड का डिवाइडर और रोड साइड सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाया गया। रास्तों में बाधा बन रहे मिट्टी के ढेर, पत्थर और कबाड़ को हटाकर मार्गों को सुगम बनाया गया।

टोंक में आयोजित लीडर्स कॉन्क्लेव कार्यक्रम में बारां जिले से बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ता और पदाधिकारी

टोंक/बारां (रॉयल पत्रिका) सौशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एस डी पी आई) का लीडर्स कन्क्लेव प्रोग्राम 17 मई 2026 रविवार को टोंक में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश एवं ज़िला स्तरीय पदाधिकारियों ने प्रतिनिधियों के रूप में भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम के फैज़ी मौजूद रहे । जिन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र की छवि बहुत खराब हो चुकी है, संविधान को दर किनार कर आम वर्ग के नागरिकों के संवेधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है। कार्यक्रम को पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सीता राम खोईवाल, राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट डी एस बिंद्रा ने भी कार्यकर्ताओं को आमजन के काम आने व पार्टी की रीति नीति जन जन तक पहुंचाने की बात कही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय महासचिव रियाज़ फेरेंगेपेट ने कार्यकर्ताओं को चुनाव मेनेजमेंट बूथ मेनेजमेंट को मजबूत करवाने के साथ किया। कार्यक्रम की शुरुआत राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन ने करते सभी ज़िला पदाधिकारियों से आगामी निकाय चुनावों में ज़्यादा से ज़्यादा भाग ले कर जीतने का आहवान किया। स्वागत भाषण प्रदेश महासचिव अब्दुल हक ने तथा संचालन प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर ने किया। कार्यक्रम में बारां से जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू, प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर रंगरेज, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य इफ्तिखार अहमद बबलू, मुफ्ती मोहम्मद उमर, अलीम मंसूरी, मौलाना सलमान, इरशाद अंसारी, वसीम अकरम, मोहम्मद अलीम, सलीक अहमद, हाफिज आरिफ, जीशान, समीर मिर्ज़ा सहित कई लोग मौजूद रहे।

दरगाह हांडी शाह की वक्फ संपत्ति को लेकर विवाद बढ़ा

-पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा सहित 14 पर नामजद और 25 अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

झुंझुनूं । शहर के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल दरगाह हांडी शाह की वक्फ संपत्ति को लेकर उपजे विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। मामले में कोतवाली थाने में पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा सहित 14 नामजद और 20-25 अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने घटना को गंभीर मानते हुए जांच शुरू कर दी है तथा क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। दरगाह के सेवक मोहम्मद शरीफ की ओर से दर्ज रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि शुक्रवार शाम करीब 8 बजे पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग हाथों में कस्सी, फावड़े और अन्य हथियार लेकर दरगाह परिसर में पहुंचे। आरोप है कि भीड़ ने वक्फ बोर्ड द्वारा निर्मित सुरक्षा दीवार को ढहा दिया और परिसर में जमकर तोड़फोड़ की। रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों ने घर में घुसकर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। उल्लेखनीय है कि गत 4 फरवरी को प्रशासन ने दरगाह हांडी शाह की वक्फ भूमि पर अवैध अतिक्रमण बताते हुए कुछ दुकानों को हटवाया था। इसके बाद जिला वक्फ कमेटी की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर चारदीवारी का निर्माण करवाया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसी कार्रवाई के बाद से कुछ प्रभावशाली लोग लगातार विरोध कर रहे थे और दरगाह से जुड़े लोगों को धमकियां दी जा रही थीं। कोतवाली पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), वक्फ अधिनियम तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस रिपोर्ट में मोहम्मद अली, आबिद, आयुब, लियाकत रंगरेज, यूनुस उर्फ मुंशी, साजिद, सलीम, फरियाद और पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा सहित अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। संवेदनशील इलाके में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। प्रार्थी मोहम्मद शरीफ ने प्रशासन से सुरक्षा की मांग करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

युसूफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल में वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

बेटियां देश का गौरव हैं, खूब पढ़ो आगे बढ़ो देश परदेस में देश का नाम रोशन करो - कुरैशी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। युसूफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल मोहल्ला व्यापारियान का वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिसके मुख्य अतिथि डॉक्टर मुमताज अली कुरैशी एवं वशिष्ठ अतिथि डॉक्टर अहसान गोरी मुख्य चिकित्सक एडिशनल अधिकारी, हाजी याकूब थीम, हाजी मोहम्मद रफीक कुरैशी, अध्यक्षता हाजी मुस्ताक कुरैशी, ने कि मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बच्चियों की एजुकेशन पर मोटिवेशनल स्पीच देते हुए कहा- बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुतियां ओर रिजल्ट बहुत ही बेहतरीन रहा इसके लिए स्कूल स्टाफ और बच्चियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आज का यह 'प्रतिभा सम्मान समारोह' हमारी बेटियों के असीम सामर्थ्य और उनकी उड़ानों का उत्सव है। आज मंच पर पुरस्कार लेती इन

बच्चियों की चमकती आँखें इस बात का सबूत हैं कि जब बेटियों को हौसला और अवसर मिलता है, तो वे हर क्षेत्र में इतिहास रचती हैं। मेरी प्यारी बच्चियों, यह पुरस्कार सिर्फ एक मोमेंटो - सर्टिफिकेट नहीं, बल्कि आपकी कड़ी मेहनत और संकल्प की पहचान है। याद रखना, आपकी प्रतिभा किसी सीमा की मोहताज नहीं है। आप सिर्फ घर की दहलीज नहीं, बल्कि अपने ज्ञान, साहस और आत्मनिर्भरता से पूरे समाज को रोशन करने वाली मशाल हो। चुनौतियां आएंगी, लेकिन आपको कभी रुकना नहीं है। खुद पर भरोसा रखें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरी जी-जान लगा दें। आप इस देश का गौरव हो और भविष्य भी। खूब पढ़ो, आगे बढ़ो और दुनिया को अपनी ताकत दिखाओ। इसी क्रम में डॉक्टर अहसान गोरी ने मोटिवेशनल स्पीच देते हुए बच्चों को उच्च शिक्षा के बारे में बताया और कई टिप्स की जानकारी दी। हाजी याकूब थीम ने समाज को मुखातिब होते हुए कहा कि आज दीन और दुनियावी इल्म जरूरी है। इसलिए हर घर में बच्चियों को शिक्षा दिलानी बहुत ही आवश्यक है। बच्चीया जब शिक्षा प्राप्त करती हैं तो वह एक घर नहीं दो घरों को संवारती है वह अदब एतराम और सलीका सिखाती हैं। बच्चियों की शिक्षा पर जोर दिया। बच्चों ने ड्रामा के जरिए शादी में फिजूल खर्ची, बढ़ती महंगाई, पर ओर परिवारों में मुसीबतों का सामना कैसे करें अनपढ़ महिलाएं, शिक्षा कितनी जरूरी है आदि कार्यक्रम पेश कर संदेश दिया। एक बच्ची ने मां के बारे में एक खूबसूरत संदेश दिया और कहा कि सोशल मीडिया पर आज मदर डे हो या जन्मदिन पर मां के बारे में खूब लिखते हैं लेकिन असल जिंदगी में मां और आप को प्यार नहीं करते जबकि सोशल मीडिया के बारे में मां को तो मालूम ही नहीं होता क्योंकि वह तो अनपढ़ है वह क्या जाने की अपने मोबाइल पर क्या-क्या लिखा है वह मोबाइल के बारे में नहीं जानती सिर्फ मां को बुढ़ापे का सहारा चाहिए आपकी प्यार भरी मुस्कुराहट और आवाज चाहिए सोशल मीडिया पर लिखे गए आपके संदेश नहीं। बच्चों ने ड्रामा के जरिए से कम उम्र में शादी कर देना पढ़ाई को छुड़वा देना कई कुरितियों को दर्शाते हुए एक बेहतरीन संदेश दिया। आज की राजनीति पर ड्रामे में बेहतरीन संदेश देते हुए जाति और धर्म के नाम पर लड़ने वाले नेताओं को दर्शाया। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया जिसमें हाजी जब्बार खत्री, मुफ्ती सफीक साहब, मौलाना मोहम्मद इमरान, प्रिंसिपल ओवैस कुरैशी, एडवोकेट आबिद बहलीम, डॉक्टर अख्तर खान, अयूब खान पिएचडी, मोहम्मद सलीम कुरैशी, फारूक मास्टर आदि ने स्वागत किया एवं गर्ल्स स्कूल प्रिंसिपल फरीदा बानो ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अध्यापिका शाहीना बानो ने किया और दुआ मस्जिद मरकज इमाम मौलाना मोहम्मद इमरान साहब द्वारा की गई।

आईएफडब्लूजे की जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

-रॉयल पत्रिका संवाददाता एम. यासीन जिला सचिव पद पर नियुक्त

पाली (रॉयल पत्रिका)। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट राजस्थान के अध्यक्ष उपेन्द्रसिंह राठौड़ के निर्देशानुसार एवं जोधपुर संभाग प्रभारी राजीव गोड की सहमति व अरुण कुमार जोशी जिलाध्यक्ष की अनुशंसा पर रॉयल पत्रिका के संवाददाता एम यासीन रॉयल को जिला सचिव पर नियुक्त किया है। पाली जिला कार्यकारिणी जिसमें सलाहकार मण्डल में राजेन्द्र सिंह देणोक पाली-जोधपुर कन्नू भीलवारा, पाली डॉ. राजकमल पारीक, बिजोवा, सुभाष त्रिवेदी, पाली बशीरुद्दीन चढ़वा, मनोज शर्मा पाली चेनराज भाटी को बनाया गया हैं। इसी प्रकार महासचिव पद पर सुनील दत्त त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष महेंद्रसिंह लखावत, सचिव अरविन्द कुमार जोशी तखतगढ़ (सुमेरपुर), मोहम्मद यासीन रॉयल, अब्दुल समद राही सोजत, सैयद ए के सिलावट, अशोक जोशी राणावास मारवाड़ जंक्शन व जगदीश सिंह गेहलोत, देसुरी नारलाई, जयनारायण सिंह टांक, सोजत रोड कालूराम गर्ग, बाल मीठालाल मालवीय, पाली मुकेश राजा, पाली नेनाराम सीरवी चाचोड़ी रानी, जयेश दवे मारवाड़ जंक्शन ग्रामीण,धर्मेंद्र वैष्णव पाली, दीपक ड़ी सारस्वत पाली को सदस्य नियुक्त किया गया हैं।

जिला अस्पताल की हालत देख कर विधायक जीवाराम चौधरी ने लगाई फटकार

-लाखों रुपए के टेंडर होने के बावजूद बदहाली के आंसू रो रहे अस्पताल के मरीज, सुध लेने वाला कोई नहीं

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर शहर के जिला अस्पताल की हालत देखकर विधायक जीवाराम चौधरी का पारा आसमान चढ़ गया। अस्पताल परिसर में फैली गंदगी और सफाई फर्म की केवल खानापूर्ति देखकर उन्होंने स्पष्ट कहा है कि अब किसी को भी संवेदनशील जगहों पर लापरवाही करने की छूट नहीं दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान विधायक चौधरी ने चिकित्सा अधिकारी को जमकर फटकार लगाई और कहा अस्पताल की बदहाल स्थिति का आखिरी जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा कि लाखों रुपए के टेंडर होने के बावजूद भी अस्पताल की बदहाली से मरीजों को परेशानी

का सामना करना पड़ रहा है। विधायक चौधरी ने यह भी कहा है कि अस्पताल में सफाई के नाम पर सिर्फ दिखावा हो रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज आ रहे हैं लेकिन उन्हें मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, प्रशासन की जिम्मेदारी है कि मरीजों को स्वस्थ वातावरण मिले, चिलचिलाती हुई गर्मी में ठंडी हवा मिले, गर्मी का मौसम देखते हुए ठंडा पानी मिले। यहां खानापूर्ति नहीं चलेगी। सख्त निर्देश और भविष्य की योजना विधायक चौधरी ने अस्पताल परिसर, वार्ड, पेयजल व्यवस्था और आरो वाटर प्लांट का निरीक्षण किया। अस्पताल के अधिकारियों को चेतावनी दी कि अस्पताल में लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं अमजन को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिलनी चाहिए, और इसके लिए व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग होगी।

मकान सूचीकरण व मकान गणना कार्य में रखें आपसी समन्वय, बेहतर हों फील्ड गतिविधियां : सुराणा

- प्रतिशत स्वगणना कराने वाले 90 प्रगणकों को सम्मानित कर किया प्रोत्साहित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शनिवार को जिला परिषद सभागार में जनगणना- 2027 के प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य' के अंतर्गत अपने आवंटित एचएलबी में शत - प्रतिशत स्वगणना कराने वाले 90 प्रगणकों व 01 पर्यवेक्षक को प्रशस्ति— पत्र प्रदान कर सम्मानित करते हुए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि जनगणना-2027 के अंतर्गत 'मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य' को सफलतापूर्वक संपादित करने के लिए प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के बीच बेहतर समन्वय और प्रभावी फील्ड गतिविधियां अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिक आपसी संवाद, जिम्मेदारी और टीम भावना के साथ कार्य करें, ताकि जनगणना का प्रत्येक चरण निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हो सके। सुराणा ने कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर सरकार भविष्य की विकास योजनाओं, संसाधनों के उचित वितरण तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करती

है। इसलिए प्रथम चरण की गतिविधियां गुणवत्तापूर्ण व स्पष्ट ढंग से आयोजित की जाएं। किसी प्रकार के संशय की स्थिति में आपसी समन्वय व जिला व चार्ज स्तर पर मार्गदर्शन से स्पष्ट करें। उन्होंने कहा कि जनगणना में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। प्रगणक व पर्यवेक्षक मिलकर मेहनत व समर्पण से नागरिकों का सहयोग लेते हुए जनगणना कार्य को गति दें। इसी के साथ उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य' में प्रगणकों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा मांगी गई जानकारी सही एवं स्पष्ट उपलब्ध करवाएं। जनभागीदारी से ही जनगणना को सफल बनाया जा सकता है। जिला कलक्टर ने चार्ज स्तर पर तारानगर ग्रामीण के 05, बीदासर ग्रामीण के 02 व शहरी के 04, भानीपुरा के 03, रतनगढ़ ग्रामीण के 08, राजगढ़ ग्रामीण के 11 व शहरी के 04, राजलदेसर ग्रामीण के 03 व शहरी के 08, सरदारशहर ग्रामीण के 01, सिद्धमुख ग्रामीण के 03, सुजानगढ़ ग्रामीण के 35 व शहरी के 03 सहित कुल 90 प्रगणकों एवं 01 पर्यवेक्षक को अपने आवंटित हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) में शत-प्रतिशत स्वगणना सुनिश्चित कराने पर प्रशस्ति — पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान सम्मानित प्रगणकों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा बताया कि घर-घर संपर्क व जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वगणना के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी व एडीएम अर्पिता सोनी, उप जिला जनगणना अधिकारी व सांख्यिकी उपनिदेशक डॉ रामगोपाल सेपट, सुनील बुडानिया, गुरप्रीत लबाना सहित अन्य उपस्थित रहे।

"आओ गाँव चलें" अभियान के तहत प्रवासी पालीवासियों से सहयोग का आह्वान

-पाली जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की शानदार पहल

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने "आओ गाँव चलें" अभियान के तहत देश-विदेश में निवासरत प्रवासी पालीवासियों से अपने मूल गाँव, मातृभूमि एवं सामाजिक जड़ों से पुनः जुड़ने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इंसान चाहे दुनिया के किसी भी कोने में पहुँच जाए, लेकिन उसकी पहचान, संस्कार और आत्मीयता हमेशा अपने गाँव की मिट्टी से ही जुडी रहती है। अपने गाँव के विकास में दिया गया छोटा-सा योगदान भी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। जिला कलक्टर ने बताया कि शिक्षा, आंगनवाडी, स्वास्थ्य एवं अन्य जन उपयोगी निर्माण कार्यों में प्रवासी पालीवासियों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा उनसे सतत संवाद एवं समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर प्रवासी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रवासीजन अपने गाँव अथवा क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों में कक्षा

कक्ष निर्माण, 'प्रोजेक्ट सुलेख के तहत स्टडी डेस्क उपलब्ध करवाने, आंगनवाड़ी एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में नवीन कक्ष निर्माण, "मातृभूमि से कर्मभूमि" अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण कार्य तथा 'हरियालो राजस्थान अभियान' के तहत वृक्षारोपण जैसे जनहित कार्यों में सहयोग प्रदान कर सकते हैं। डॉ. गोस्वामी ने कहा कि जब कोई प्रवासी अपने सहयोग से निर्मित कक्षा-कक्ष में बच्चों को पढ़ते हुए देखेगा, तो वह केवल एक भवन नहीं बल्कि अपने सपनों, संस्कारों और मातृभूमि के प्रति प्रेम को साकार होते हुए अनुभव करेगा। यह सहयोग समाज के प्रति जिम्मेदारी, संवेदनशीलता एवं अपनेपन का जीवंत उदाहरण बनेगा। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को बेहतर वातावरण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में सरकार के साथ समाज का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने प्रवासीजनों से मिशन मानस के तहत विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें करियर निर्माण, नशामुक्ति, सामाजिक मूल्यों एवं सकारात्मक जीवन दृष्टि के प्रति प्रेरित करने का भी आग्रह किया। जिला कलक्टर ने अपील की कि प्रवासीजन नगद राशि उपलब्ध कराने के बजाय स्वयं विभागीय मापदण्डों के अनुरूप निर्माण कार्य करवाने में सहयोग करें, ताकि पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रवासी पालीवासी अपने गाँव के विकास हेतु सदैव आगे आएंगे और जिला प्रशासन उनके प्रत्येक सहयोग के प्रति आभारी रहेगा। प्रवासी पालीवासियों से सतत संवाद एवं समन्वय हेतु गठित प्रवासी प्रकोष्ठ से व्हाट्सएप नंबर 92510-39118 तथा ई-मेल dpcbc.war-room.pali@rajasthan.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है। इच्छुक प्रवासीजन अपना नाम, मूल ग्राम एवं तहसील, वर्तमान पता, संपर्क नंबर तथा प्रस्तावित कार्य का विवरण व्हाट्सएप अथवा ई-मेल के माध्यम से प्रेषित कर सकते हैं। जिला कलक्टर ने सभी प्रवासी पालीवासियों से अपना गाँव अपनी जिम्मेदारी की भावना के साथ इस पुनीत अभियान में सहभागी बनने की अपील की है।

राहुमा मोहम्मद अब्दुल मुस्तफा को हज यात्रा पर किया रवाना

रानीवाड़ा (रॉयल पत्रिका) । कूड़ा निवासी हाजी मोहम्मद अली राहुमा के शहजादे मोहम्मद अब्दुल मुस्तफा को पीर सैयद हाजी अली अकबर शाह जिलानी उर्फ़ बाबा साहब व उनके साहबजादे सैय्यद पीर अजाज अहमद लुनी शरीफ कच्छ गुजरात के हाथों पिरो मुर्शीद के हाथों दुआ कर हज के मुकद्दस सफर के लिए किया रवाना। इस मौके पर महफिलें मिलाद कर हजरत मौलाना कातिब अहमद साहब अकबरी ने तकरीर की हज की अहमियत बयान कर सब की दिलों को मुन्नवर कर दिया। नाजिमे आला नबी बक्स सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल, मौलाना हाशम दल अकबरी, मौलाना सिद्दीक दल भंवार ने भी धार्मिक हज यात्रा पर रवाना होने पर फूल मालाओं से स्वागत कर बड़ी धूम धाम से रवाना किया। इस मुकद्दस सफ़र को इस्लाम में बढ़कर बताया। हिंदुस्तान में अमन शांति बनी रहे मांगी दुआएं। इस मौके पर निजाम दल भंवार, मौलाना अब्दुल शकूर सिद्दीकी, फजल भाई मंडार, ताज मोहम्मद सेड़िया, मौलाना उस्मान शाह, उर्स खां पावटा, सुलेमान खां सुथडी, अकबर शाह सेड़िया, अशोक प्रजापत, कृष्ण कुमार प्रिंसिपल कूड़ा, मिस्त्री लाला राम देवासी सहित राहुमा परिवार के सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मौलाना अबुल कलाम आजाद एजुकेशन इंस्टीट्यूट की बैठक संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रविवार को मौलाना अब्दुल कलाम आजाद वेलफेयर सोसाइटी उस्मानाबाद कॉलोनी में मीटिंग आयोजित हुई। जिसमें उपस्थित सदस्यों ने निर्माणाधीन बिल्डिंग के कार्यों का निरीक्षण किया एवं भविष्य में भवन तैयार के रूम में रहने वाले बच्चों की सुविधा, कार्य के अंतिम पड़ाव पर होने पर बिल्डिंग का कार्य अभी अधूरा है उसके लिए भामाशाहों से संपर्क कर कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करवाने की चर्चा की गई और बेहतर संचालित के लिए चर्चा की गई। मीटिंग में उपस्थित सदस्य में अध्यक्ष आजम अली खां पितीसर, सचिव मोहम्मद अली पठान, कोषाध्यक्ष इनायत खां मोयल, रिजवान खान दिलावरखानी, लियाक़त खां, हबीब खां मलवाण, मैनुदीन खां फतेह खानी, शमशेर भालू खां, याकूब खां हबीबखानी, असफाक खां एलमाण, अयूब खां चायल PHED, सिकंदर खां दौलतखानी, गुलशन खान, रहमान खां दायमखानी, हनीफ खां सामदखानी, अनवर हबीब खां उपस्थित रहे । मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे आजम खान ने सभी का आभार व्यक्त किया। मीटिंग का सफल संचालन मैनुद्दीन खान ने किया।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण" कार्य का शुभारंभ

झुंझुनूं। जनगणना-2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण" कार्य का शनिवार को औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह कार्य 16 मई से प्रारंभ होकर आगामी 14 जून 2026 तक संपन्न किया जाएगा। तहसील कार्यालय झुंझुनूं में आयोजित कार्यक्रम में झुंझुनूं विधायक राजेंद्र सिंह भाम्बू एवं चार्ज जनगणना अधिकारी एवं तहसीलदार महेंद्र मूंड ने झुंझुनूं ग्रामीण क्षेत्र के लिए नियुक्त सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र सिंह भाम्बू ने जनगणना कार्य में सहभागी बनने पर सभी कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसके आंकड़ों के आधार पर विभिन्न विकास योजनाओं का निर्माण किया जाता है। उन्होंने सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से निर्धारित समय सीमा में जिम्मेदारी एवं पारदर्शिता के साथ कार्य पूर्ण करने का आह्वान किया।

मकान पीर भटिंडा वालों के उर्स पर, आस्ताने पर दुआएं की गई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नई सड़क स्थित पीर भटिंडा वाले हजरत अली मोहम्मद शाह के आस्ताने (मकान) पर पीर नबाब अली शाह का 54वां उर्स-ए-मुबारक बड़ी शान ओर शौकत के साथ शुक्रवार देर शाम को मनाया गया। जो रात्रि देर तक नाते पाक एवं मिलादुन्नबी का आयोजन आस्ताने पर हुआ। सदर ज़ाकिर हुसैन झारीयावाला ने बताया शुक्रवार को सुबह उर्स-ए-मुबारक रस्मों के साथ शुरू हुआ, शाम बाद नमाज़ असर के दुवाएं व नाते शरीफ़ और बाद नमाज़ मगरिब लंगर हुआ। 54वां उर्स हर वर्ष की तरह हजरत अली मोहम्मद शाह के चाहने वालों ने अकीदत के साथ मनाया, उर्स में जिले भर से जायरीन आए उनके लिए इंतजामिया कमेटी ने शानदार व्यवस्था की। झारियावाला ने बताया कि पीर

नबाब अली शाह भटिंडा वाली गद्दी के सिलसिले से थे। इनके चाहने वाले मुरीदों की आस्था बड़ी तादाद में हैं। उर्स-ए-मुबारक के समापन पर देश व प्रदेश की खुशहाली के लिए सभी उपस्थितजन ने दुवाएं की ।

बढ़ते तापमान पर चिंता, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी - मोनिका सैनी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। बदलते पर्यावरणीय हालात को लेकर समाजसेवी एवं वन सुरक्षा एवं संरक्षण समिति सरदारशहर की अध्यक्ष मोनिका सैनी ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि लगातार पेड़ों की कटाई, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण गर्मी का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। मोनिका सैनी ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करना समय की सबसे बड़ी

चूरू, वन सुरक्षा एवं संरक्षण समिति की अध्यक्ष मोनिका सैनी।

आवश्यकता है। उन्होंने आमजन से अपने घर, मोहल्लों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में जल संकट, प्रदूषण और अत्यधिक तापमान जैसी समस्याएं और गंभीर हो सकती हैं। उन्होंने युवाओं एवं सामाजिक संगठनों से पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान भी किया। मोनिका सैनी ने लोगों से प्लास्टिक का कम उपयोग करने, पानी बचाने तथा स्वच्छता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही पर्यावरण संरक्षण की बड़ी मुहिम को सफल बनाया जा सकता है।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।
संपर्क करें - 8058969180/9799559096

'ओवैसी भी स्वीकार करेंगे कि वे हिंदू हैं'

गिरिराज सिंह के बयान पर भड़के AIMIM चीफ, कहा- शुद्ध अंत:करण...

नई दिल्ली । केंद्रीय कपड़ा मंत्री और BJP नेता गिरिराज सिंह ने AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को लेकर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि असदुद्दीन ओवैसी आज नहीं तो कल यह मान लेंगे कि वह हिंदू हैं । उनके इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है और सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं । गिरिराज सिंह का यह बयान धार्मिक पहचान और धर्म परिवर्तन जैसे संवेदनशील मुद्दों से जुड़ा माना जा रहा है। उनके इस पोस्ट के बाद कई लोगों ने सवाल उठाए कि देश में बेरोजगारी, महंगाई, NEET पेपर लीक और बिहार के विकास जैसे बड़े मुद्दों पर बात करने के बजाय नेताओं की तरफ से सांप्रदायिक बयान क्यों दिए जा रहे हैं।

असदुद्दीन ओवैसी का पलटवार

AIMIM प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने BJP नेता और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह के उस बयान का जवाब दिया है, जिसमें गिरिराज सिंह ने कहा था कि ओवैसी आज नहीं तो कल मान लेंगे कि वह हिंदू हैं । ओवैसी ने इस बयान पर सीधे प्रतिक्रिया देने के बजाय कपड़ा उद्योग से जुड़े मुद्दों को उठाया और टेक्सटाइल सेक्टर की परेशानियों पर ध्यान दिलाया। ओवैसी ने कहा कि देश में कॉटन यार्न यानि सूती धागे की बढ़ती कीमतों से पावरलूम और छोटे बुनकरों की हालत खराब हो रही है। उन्होंने खास तौर पर वाराणसी, सूरत, मालेगांव और मुबारकपुर जैसे बड़े टैक्सटाइल हब का जिक्र किया, जहां हजारों छोटे कारोबारी और मजदूर इस संकट से प्रभावित हैं।

कच्चे माल की लागत लगातार बढ़ रही- ओवैसी

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि कपड़े की कीमतें बाजार में स्थिर हैं, लेकिन कच्चे माल की लागत लगातार बढ़ रही हैं । इससे छोटे उद्योगों पर भारी दबाव पड़ा है । कई पावरलूम यूनिट बंद होने की कगार पर हैं और बड़ी संख्या में लोगों की नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं । ओवैसी ने केंद्र सरकार से मांग की कि कॉटन यार्न के एक्सपोर्ट पर रोक लगाई जाए ताकि घरेलू बाजार में कीमतें नियंत्रित रह सकें । उन्होंने यह भी कहा कि कच्चे कॉटन पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी हटाई जानी चाहिए, जिससे उद्योग को राहत मिल सके । इसके अलावा उन्होंने कपड़ा और रेडीमेड गारमेंट सेक्टर के लिए एक्सपोर्ट इंसेंटिव देने की मांग की । ओवैसी ने कहा कि चीन से आने वाले सस्ते उत्पादों की वजह से भारतीय उद्योग प्रभावित हो रहा है, इसलिए चीन पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाई जानी चाहिए ताकि घरेलू कारोबार को बचाया जा सके । अपने शपथ ग्रहण को याद रखिए, और 'शुद्ध अंतःकरण' शब्द को भी याद रखिए।

जावेद शेख को इंग्लिश विषय में मिली पीएचडी उपाधि

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय, जोधपुर ने इंग्लिश विभाग के शोधार्थी जावेद शेख को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। जावेद शेख ने 'ऑन द पोर्टल्स ऑफ चेंज: अतिया हुसैन'स सनलाइट ऑन अ ब्रोकन कॉलम' विषय पर इंग्लिश विभाग की शोध पर्यवेक्षिका डॉ. सोनिया जैन के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण किया। एस.एस. जैन सुबोध कॉलेज की इंग्लिश विभाग की एचओडी डॉ. नमिता चौहान ने इनका वाइवा लिया। यूनिवर्सिटी की इंग्लिश विषय में यह पहली पीएचडी है। इस अवसर पर इनकी धर्मपत्नी ज़ैनब अहमद, पुत्र अब्दुर्रहमान, अब्दुल्लाह और अब्दुर्रहीम भी मौजूद रहे। यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक, डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान सहित समस्त फैकल्टी मेम्बर्स ने डॉ. जावेद शेख को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

चुनाव परिणाम और लोकतंत्र की दिशा

जयपुर । हाल ही में विभिन्न राज्यों के चुनाव परिणामों ने देश की राजनीति और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दिया है। लोकतंत्र में हार और जीत स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह होती है कि जनता का विश्वास लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनाव प्रक्रिया पर बना रहे। जब जनता अपने मत के माध्यम से अपनी राय व्यक्त करती है, तो उस विश्वास और जनादेश का सम्मान होना लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता होती है। मेरे विचार से किसी भी राजनीतिक दल की हार या जीत से अधिक महत्वपूर्ण देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती है। यदि जनता के मन में चुनावी प्रक्रिया या संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा होने लगे, तो यह केवल किसी एक राज्य का विषय नहीं रह जाता, बल्कि पूरे देश के लोकतंत्र के लिए चिंता का कारण बन जाता है। आज देश का आम नागरिक महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सौहार्द जैसे मूल मुद्दों पर गंभीर और सकारात्मक राजनीति चाहता है। जनता अब ऐसी राजनीति को पसंद करती है जो समाज को जोड़ने का कार्य करे, न कि विभाजन और कटुता को बढ़ावा दे। एक सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता होने के नाते मेरा मानना है कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता, संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं में है। हमें ऐसी राजनीति को बढ़ावा देना होगा जो जनता के विश्वास को मजबूत करे और देश में भाईचारा, न्याय तथा समान अवसर का वातावरण बनाए। किसी दल की हार या जीत पर राजनीति की जा सकती है, लेकिन यदि जनता के विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और निष्पक्ष व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगें, तो यह केवल एक राज्य का मुद्दा नहीं रहता, बल्कि देश के लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय बन जाता है। लोकतंत्र की असली ताकत जनता का भरोसा है, और उसे हर हाल में सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

-डॉ. मोहम्मद शोएब
(प्रदेश सचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी)

मैंमूना नरगिस को अवार्ड से सम्मानित किया गया

-मैंमूना नरगिस पूरे भारत में अकेली मुस्लिम महिला आर्ट कंजरवेटर हैं

जोधपुर । जोधपुर के 568वें स्थापना दिवस पर महाराजा गज सिंह जी और महारानी जोधपुर विरासत ने एक भव्य समारोह का आयोजन किया। जिसमें की पदमश्री, आईएएस अधिकारी, एयर फोर्स विंग कमांडर सहित जयपुर आमेर की आर्ट कन्ज़रवेटर मैंमूना नरगिस को उनके कन्ज़रवेशन एवं हैरिटेज रैस्टोरेशन कार्य के लिए सम्मानित किया। मैंमूना नरगिस की सालों से पैन इन्डिया में हैरिटेज रैस्टोरेशन एवं कला संस्कृति का संरक्षण करके भारत की कला विरासत को ज़िन्दगी देने का काम कर रही है। मैंमूना नरगिस पूरे भारत में अकेली मुस्लिम महिला आर्ट कन्ज़रवेटर हैं। मैंमूना नरगिस को ये अवार्ड जोधपुर में महाराजा गज सिंह जी (जोधपुर), महारानी जोधपुर, सांसद राजवर्धन सिंह राठौड़ एवं महाराज रावसिहं शाहपुरा (राजस्थान रियासत) और महारानी शाहपुरा (राजस्थान) द्वारा अवार्ड से सम्मानित किया गया। जोधपुर के महाराजा और महारानी ने

अवार्ड में 75,000 रुपये का चेक, एक सुंदर ट्रॉफी जिस पर मैंमूना के कार्य का उल्लेख और नाम, एक कला पुस्तक, एक जूट बैग और एक शॉल भेंट किया। सभी पुरस्कार विजेता अलग-अलग क्षेत्रों से थे, जैसे विंग कमांडर (एयरफोर्स) श्रीमती दीपिका, IAS अधिकारी, पद्मश्री से सम्मानित व्यक्ति और सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी। एक दिन पहले सभी अवार्ड विजेताओं को मेहरानगढ़ क़िले में ठहराकर भव्य भोज का आयोजन किया। मैंमूना नरगिस ने बताया कि महारानी जोधपुर और महाराजा साहब से इन्ट्रोडक्शन हुआ । परन्तु महारानी जोधपुर स्वयं चलकर मैंमूना नरगिस की टेबल पर आईं और जो शब्द उन्होंने मेरे सम्मान में कहे, वो उस अवार्ड से ज़्यादा कीमती थे। आपने मैंमूना नरगिस से कहा कि "मैं स्पेशली आपसे मिलने आई हूं, आपके बारे में बहुत पढ़ा था, मुझे आपसे मिलने की बड़ी जिज्ञासा थी। आप अकेले पूरे हैरिटेज को संभाल रही हैं।" मैंमूना नरगिस कहती हैं-उनके ये शब्द मेरे लिए अनमोल हैं, प्रेरणास्रोत हैं।

इनाया खान बनी वर्ल्ड चैंपियन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। इनाया खान ने अमेरिका के मिशिगन राज्य के साउथफील्ड स्थित लॉरेंस टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रतिष्ठित रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर बिल्डिंग ब्रिड्जस श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। इनाया ख़ान ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर घाना का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी टीम का आत्मविश्वास, बुद्धिमत्ता और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के साथ सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया। विश्व के अनेक अग्रणी देशों को पीछे छोड़ते हुए उनकी टीम ने यह ऐतिहासिक विजय दर्ज की। यह उपलब्धि न केवल घाना, बल्कि भारत के लिए भी अत्यंत गर्व का विषय है। इतनी कम उम्र में विश्वस्तरीय मंच पर विजय प्राप्त कर इनाया ख़ान ने यह सिद्ध कर दिया है कि मजबूत इरादे, कड़ी मेहनत और बडे सपने किसी भी लक्ष्य को साकार कर सकते हैं। उनकी यह सफलता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। आज इनाया ख़ान भारत और घाना—दोनों देशों के लिए आशा, सम्मान और नई पहचान का प्रतीक बन चुकी हैं। शकील ख़ान ने बताया कि 16 मई, रविवार को प्राप्त यह उपलब्धि युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इनाया ख़ान "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" अभियान के अंतर्गत महिला अधिकारिता विभाग एवं बाल विकास विभाग, जयपुर – राजस्थान सरकार की ब्रांड एम्बेसेडर भी हैं, जो बालिका सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि इतनी कम उम्र में विश्वस्तरीय प्रतियोगिता में विजय प्राप्त करना उनके आत्मविश्वास, प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है। "छोटी सी उम्र, बड़े सपने और विश्वस्तरीय जीत"—यह उपलब्धि परिश्रम, लगन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

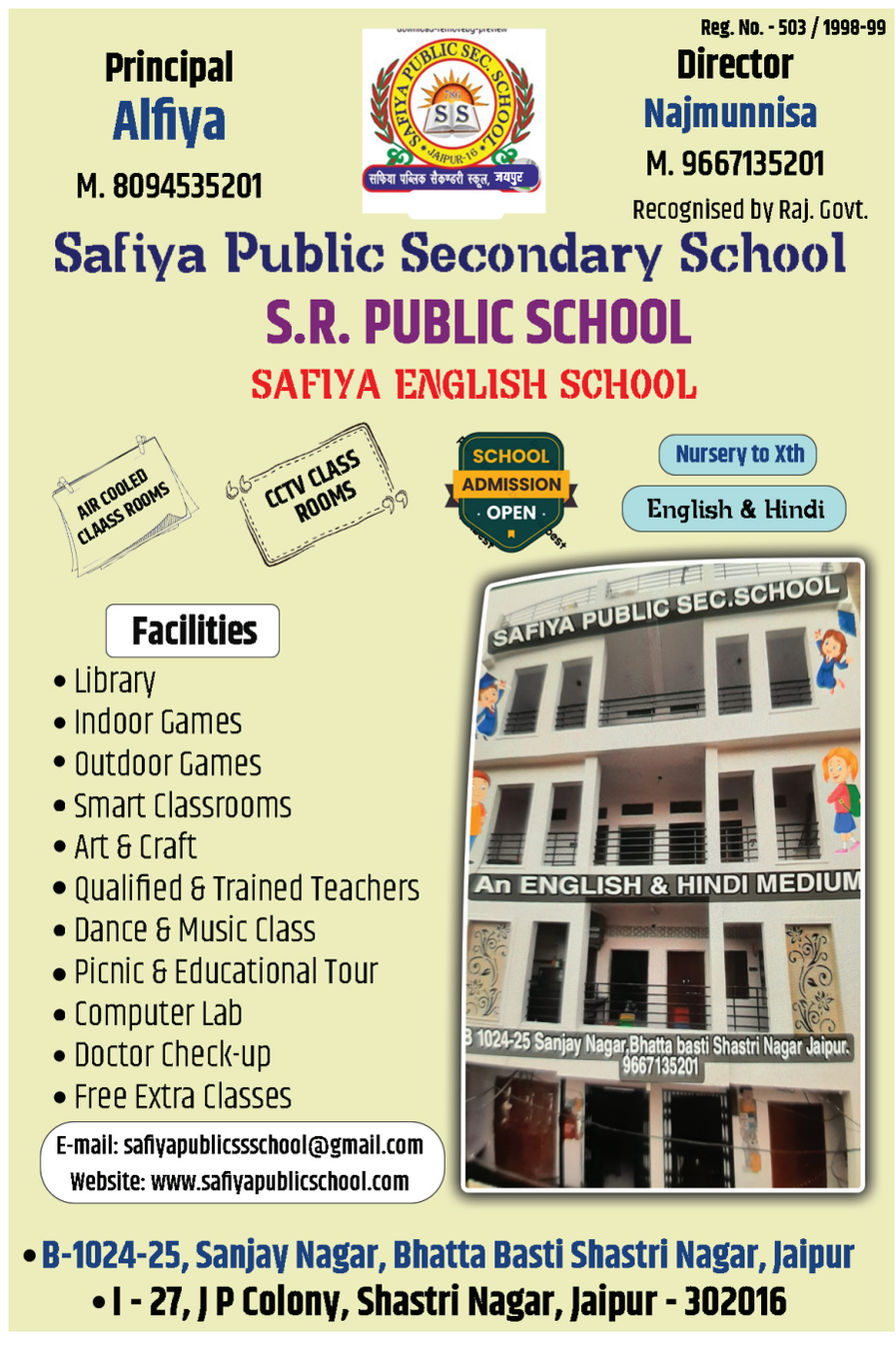

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित । पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com